राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 07, अंक 183 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 10 सितंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

तेज बहाव और पानी ने बुझा दिया एक घर का चिराग

उदयपुर। उदयपुर की आयड़ नदी उफान पर है और लापरवाहियां अब जानलेवा साबित हो रही हैं। शनिवार को जहां पुरोहितों की मादड़ी क्षेत्र में दो युवक पानी में फंस गए थे—जिनमें से एक को आठ घंटे बाद रेस्क्यू कर बचा लिया गया था—वहीं दूसरे युवक का अब तक कोई पता नहीं चला। इसी बीच बीती रात अलीपुरा से पुलां जाने वाली कनेक्टिंग पुलिया पर एक और हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, 30 वर्षीय शेरू खान, निवासी आलू फैक्ट्री पुलां, नदी के किनारे बने चैनल (नाले) में अचानक बह गया। रात करीब 10.30 बजे हुई इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और रेस्क्यू टीम ने सुबह 4 बजे तक लगातार तलाश की, लेकिन युवक का पता नहीं चल पाया। लगभग 13 घंटे बाद शेरू का शव पुल से आधा किलोमीटर दूर मिला। शव को बाहर निकालकर अस्पताल पहुँचाया गया। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया। आयड़ नदी के उफान का मंजर शहरवासी देख चुके हैं। तेज बहाव किसी भी राहगीर या तैराक को बहाकर ले जा सकता है। इस पानी के सामने तैराकी और ताकत दोनों बेकार हो जाती है।

घुसपैठियों की वोटों से बिहार में सरकार बनना चाहती है कांग्रेस : धनखड़

चंडीगढ़। कांग्रेस घुसपैठियों की वोटों से बिहार में सरकार बनना चाहती है । चुनाव आयोग संविधान के दायरे में एक एक वोट की जांच पड़ताल कर रहा है। कांग्रेस हर हार के बाद नया बहाना ढूंढ रही है। भाजपा राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने झज्जर में पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री से भरे ट्रक रवाना करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बात कही। धनखड़ ने कांग्रेस सांसद जयप्रकाश के हरियाणा में चार-पांच दिन में वोट चोरी का बम फोड़ने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि कांग्रेस पार्टी का कॉन्फिडेंस लूज हो गया है । उनकी एक पूरी ट्रेल देखेंगे तो कभी वह ईवीएम पर आरोप लगाते हैं , कभी वह चौकीदार को कहने लगते हैं। उन्होंने कहा कि कभी यह वोटो पर कह रहे हैं लेकिन इनके वोट तो है नहीं ।

भूस्खलन से तीन मंजिला मकान गिरने की कगार पर, तीन परिवार हुए बेघर

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश की मार ने जिला कांगड़ा के नूरपुर शहर के वार्ड नंबर 9 को हिलाकर रख दिया है। यहां भूस्खलन के कारण एक तीन मंजिला मकान गिरने की कगार पर पहुंच गया है। शुरू में थोड़ी जगह धंसने से स्थिति गंभीर थी, लेकिन अब यह 10 फुट तक धंस चुकी है, जिससे मकान की संरचना को और अधिक खतरा हो गया है। इस हादसे से एक साथ तीन परिवार बेघर हो गए हैं। मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक अजय महाजन और योगेश महाजन सुंदरी ने प्रभावित परिवारों का हाल जाना। उन्होंने परिवारों को सांत्वना दी और प्रशासन से तुरंत समाधान की मांग की।

विपक्ष के सुदर्शन रेड्डी को हराया

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन बनेंगे देश के नए उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योकिं पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफ़ा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था। राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। उन्हें भारत का उपराष्ट्रपति चुना गया है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले। मतदान समाप्त होने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 781 में से 12 सांसदों ने मतदान नहीं किया। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए, 752 वैध और 15 अवैध थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। देश के 17वें उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफ़ा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हो रहा है। विभिन्न दलों द्वारा दिए गए समर्थन को आधार बनाकर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने बार-बार यह कहकर अपनी दावेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया कि लड़ाई वैचारिक है तथा यह मतदान सिर्फ उप राष्ट्रपति चुनने के लिए नहीं है, बल्कि भारत की भावना के लिए है। चुनाव से एक दिन पहले सोमवार को विपक्ष के सांसदों ने एकजुटता प्रकट करते हुए बैठक की थी और 'मॉक' (प्रतीकात्मक) मतदान में हिस्सा लिया था ताकि मंगलवार को मतदान के बाद उनका एक-एक वोट वैध करार हो। विपक्षी सांसदों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका वोट बर्बाद न हो, क्योंकि पिछली बार कुछ वोट अवैध घोषित कर दिए गए थे। इस बीच, राजग ने भी सोमवार को चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए अपने सांसदों की बैठक की थी।

पीएम मोदी ने किया सबसे पहले मतदान

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। मोदी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, अर्जुन राम मेघवाल, जितेंद्र सिंह और एल. मुरुगन के साथ संसद भवन के कमरा संख्या 101, वसुधा में स्थापित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। शुरुआत में मतदान करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सैयद नासिर हुसैन शामिल थे। पूर्व प्रधानमंत्री, 92 वर्षीय देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हाथों में हाथ डाले मतदान केंद्र तक जाते देखे गए।

अब्बास अंसारी फिर बने विधायक

हाईकोर्ट के फैसले के बाद सचिवालय ने दिया आदेश

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने सोमवार को अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल करने के आदेश जारी किए। यह आदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा मऊ स्थित सांसद/विधायक विशेष न्यायालय द्वारा पूर्व में सुनाई गई दो साल की जेल की सजा को रद्द करने के फैसले के बाद आया है। मऊ निर्वाचन क्षेत्र से 2022 का विधानसभा चुनाव जीतने वाले अंसारी, भड़काऊ भाषण के एक मामले में सांसद/विधायक न्यायालय द्वारा दो साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद अपनी विधायकी खो चुके थे। फैसले को चुनौती देते हुए, अंसारी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया और विधायक के रूप में उनकी बहाली का रास्ता साफ कर दिया। अब्बास अंसारी गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे हैं।

खेड़ा के रसिकपुरा गांव में लगातार बारिश के बाद बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में लोग एक ऊंची संरचना पर बैठे हैं।

मांड्या हिंसा के बाद कर्नाटक में सियासी संग्राम!

सिद्धारमैया ने आरएसएस भाजपा पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को आरएसएस और भाजपा पर राज्य में शांति भंग करने का आरोप लगाया। वह भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मांड्या जिले के मद्दुर के प्रस्तावित दौरे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जहाँ गणपति जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद तनाव बढ़ गया था। सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा का इरादा और काम शांति भंग करना है। इससे पहले, उन्होंने चामुंडी बेट्टा चलो रैली का आयोजन किया था। विभिन्न स्थानों से आरएसएस के सदस्य और अन्य लोग मैसूर आए थे... वे सभी इकट्ठा हुए और शांति भंग करने का काम किया। सिद्धारमैया ने कहा कि अब मांड्या के मद्दुर में हिंसा हुई है... भाजपा के कुछ कहने से पहले ही, हमने 21 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। चाहे वह मुस्लिम हो, ईसाई हो या कोई और, हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे।

पीएम मोदी ने हिमाचल बाढ़ का हवाई जायजा लिया

हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ की राहत की घोषणा की

शिमला/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षा प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ रुपये की तत्काल राहत की मंगलवार को घोषणा की. राज्य में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लेने के बाद मोदी ने मृतकों के परिजनों के लिए दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि की भी घोषणा की. उन्होंने सबसे पहले प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा तथा क्षति का आकलन करने के लिए कांगड़ा में एक बैठक की. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, भाजपा नेताओं, प्रभावित परिवारों और कांगड़ा में बचाव सेवाओं में लगे लोगों के साथ बैठक में मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बहाल करने और पुर्निनर्माण के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया. वित्तीय सहायता के तौर पर 1,500 करोड़ रुपये की राशि पीएम-किसान सम्मान निधि और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष की दूसरी किस्त की रूप में जारी की जाएगी. मोदी ने पूरे क्षेत्र और जन जीवन को सामान्य बनाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का आहान किया. यह कई तरीकों से किया जाएगा जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुर्निनर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुर्निनर्माण, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए 'मिनी किट' जारी करना.निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल क्षति की रिपोर्ट कर सकेंगे।

बहन के प्रेमी को भाई ने डंडे से पीटकर की हत्या, पुलिस के सामने सरेंडर

मुंबई। मुंबई के मालवणी इलाके से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां 21 वर्षीय युवक ने अपनी बहन के प्रेमी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद मालवणी पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपराध कबूल किया और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 11 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम नितिन सोलंकी (40) है, जो एक अस्पताल में केयरटेकर का काम करता था। सोलंकी के आरोपी की बहन के साथ संबंध थे।

अगर जीती तो छोड़ दूंगा राजनीति

बिहार में जेडीयू 25 सीटें भी नहीं जीतेगी-प्रशांत किशोर

पटना/ एजेंसी

जन सुराज पार्टी के संस्थापक और राजनीतिक कार्यकर्ता प्रशांत किशोर ने सोमवार को भविष्यवाणी की कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) को अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में 25 से ज़्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। किशनगंज ज़िले में एक सभा को संबोधित करते हुए, किशोर ने कहा कि अगर विधानसभा चुनावों में जेडी(यू) 25 का आंकड़ा पार कर जाती है, तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। अपनी बात को पुख्ता करने के लिए, उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनावों का उदाहरण दिया, जिसमें उन्होंने भाजपा की चुनावी संभावनाओं के बारे में भविष्यवाणी की थी। जन सुराज पार्टी के नेता ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी और जैसा कि कहा गया, भगवा पार्टी केवल 77 सीटों पर ही सिमट गई। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव में जदयू 25 से ज़्यादा सीटें जीतती है, तो मैं राजनीति छोड़ दूँगा। उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा के इस आरोप पर भी निशाना साधा कि किशोर शराब माफ़िया से मिले हुए हैं। उन्होंने वर्मा की तुलना 'सड़क पर टहलते कुत्ते' से की और कहा कि हर किसी को जवाब देने की ज़रूरत नहीं है। किशोर ने मुसलमानों और हिंदुओं के बीच गठबंधन की वकालत की, जो उनके अनुसार गांधीवादी, अंबेडकरवादी, कम्युनिस्ट और समाजवादी हैं।

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन-काठमांडू से हवाई सेवा बंद

पीएम ओली ने दिया इस्तीफा:राष्ट्रपति-पीएम के घर में आगजनी

काठमांडू/ एजेंसी

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के बीच पीएम केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। इससे एक दिन पहले युवाओं के हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में करीब 20 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'हम बहुत खुश हैं कि नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने इस्तीफ़ा दे दिया है। नेपाल की राजधानी में मौजूदा हालात को देखते हुए चौथे काठमांडू कलिंग साहित्य महोत्सव को स्थगित कर दिया गया है, आयोजकों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। सोमवार को सोशल मीडिया साइटों पर सरकारी प्रतिबंध के खिलाफ काठमांडू और कुछ अन्य स्थानों पर युवाओं द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोग मारे गए और 300 से ज़्यादा घायल हो गए। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम 13 और 14 सितंबर को काठमांडू में होना था। उन्होंने बताया कि बानू मुश्ताक, दीपा भाष्थी और बासुदेव त्रिपाठी सहित 60 से ज़्यादा भारतीय और 200 नेपाली लेखक इस महोत्सव में शामिल होने वाले थे। कलिंग साहित्य महोत्सव की निदेशक रश्मि रंजन परिदा ने कहा कि यह आयोजन अब 14 और 15 फरवरी, 2026 को होगा। भुवनेश्वर स्थित आयोजकों द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध को लेकर काठमांडू में हुई हिंसा को देखते हुए इसे स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें कहा गया है कि इस समय महोत्सव का आयोजन न तो उचित होगा और न ही सम्मान जनक। नेपाल के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री प्रदीप पौडेल ने जेनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों से निपटने के सरकार के तरीके पर अपनी असहमति जताते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। एक फेसबुक पोस्ट के जरिए अपने फैसले की घोषणा करते हुए, पौडेल ने लिखा कि युवा पीढ़ी ने सिर्फ सुशासन, जवाबदेही और न्याय की मांग की थी। लेकिन इसके बजाय उन्हें सरकारी दमन और गोलीबारी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'देश का बेहतर भविष्य चाहने वाले युवाओं को गोली मारना उचित नहीं ठहराया जा सकता।' नेपाली कांग्रेस के एक केंद्रीय नेता पौडेल ने कहा कि उनकी अंतरात्मा उन्हें ऐसी परिस्थितियों में मंत्रिमंडल में बने रहने की इजाजत नहीं देती। उनका इस्तीफ़ा देश भर में तेज होते विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है, जिसमें कई प्रदर्शनकारी पहले ही अपनी जान गंवा चुके हैं। नेपाल में त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं। हवाई अड्डा प्राधिकरण ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। टीआईए के महाप्रबंधक हंसराज पांडे ने बताया कि कोटेश्वर के पास धुएं के गुबार के बाद दोपहर 12:45 बजे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोक दी गई हैं। उन्होंने कहा, 'हवाई अड्डा बंद नहीं है। हम इसे बंद भी नहीं करेंगे।

काठमांडू की सड़क पर भागते रहे नेपाल के वित्त मंत्री,बरसते रहे लात-घूंसे

नेपाल में हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु प्रसाद पौडेल की पिटाई कर दी। यह हमला उस समय हुआ जब राजधानी काठमांडू और अन्य शहरों में हज़ारों जेनरेशन ज़ेड प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ झड़प हुई। बढ़ते दबाव के बीच, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। यह इस्तीफ़ा प्रदर्शनकारियों द्वारा सरकार विरोधी नारे लगाते हुए उनके कार्यालय में घुसने के कुछ ही घंटों बाद दिया गया है। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई दिनों से चल रही हिंसक झड़पों के बाद यह इस्तीफ़ा दिया गया है, जिसमें कम से कम 19 लोग मारे गए हैं और 300 से ज़्यादा घायल हुए हैं। इससे पहले, ओली ने बढ़ते संकट से निपटने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आह्वान किया था।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के आयोजन के तैयारी की समीक्षा की

18 व 19 सितम्बर को विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के आयोजन की तैयारी के संबंध में बैठक ली। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह दो दिवसीय 18 एवं 19 सितम्बर 2025 तक शहीद स्मारक परिसर कचहरी चौक जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर में आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के गरिमामय आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। समारोह में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीद परिवारों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिभा सम्मान, विधिक संगोष्ठी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, विभागीय प्रदर्शनी जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, जैविक खेती और फसल चक्र से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी देंगे।

बलौदा कॉलेज में मनाया गया राज्य रजत महोत्सव

शंकर लहरे (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय, बलौदा में छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में समूह चर्चा,भाषण,क्विज प्रतियोगिता सांस्कृतिक कार्यक्रम और व्याख्यानमाला जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। व्याख्यानमाला कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सरायपाली श्रीमती चातुरी डिग्रीलाल नंद द्वारा किया गया उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है, जो अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक महत्व और प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है। राज्य में विविध वनस्पतियों और जीव-जन्तुओं की प्रजातियाँ पाई जाती हैं, और यहाँ के प्रमुख उद्योगों में खनन, स्टील और ऊर्जा उत्पादन शामिल हैं। राज्य की अपनी विशिष्ट बोली और संस्कृति है, जो इसे भारत के अन्य राज्यों से अलग बनाती है। जनपद अध्यक्ष सरायपाली श्रीमती लक्ष्मी पटेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सुशासन ग्रामीण विकास, किसान कल्याण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर केंद्रित है, जिसमें पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्राचार्य प्रोफेसर के के तिवारी ने रजत महोत्सव के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की प्रगति और विकास को मनाना और युवाओं को राज्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है।जनभागीदारी समिति अध्यक्ष द्वारा शिक्षा के उपयोगिता को बताया गया। छत्तीसगढ़ महिला आयोग सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया द्वारा समग्र छत्तीसगढ़ के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हुए अनुशासन, आध्यात्म,शिक्षा,नारी सशक्तिकरण को समेटते हुए ज्ञान वर्धक बाते कही गई। सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक जितेंद्र पटेल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक गण कमला बाई दीवान,रमेश पटेल, एंजेला लकड़ा,रश्मि, माधुरी प्रधान ,ऋतुराज भोई,आशुतोष मालवीय,प्रेरणा प्रधान, अनुपा निषाद सहित पालक और छात्रगण उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन डॉ गजानंद नायक सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी द्वारा किया गया।

कैट महिला इकाई ने महापौर से की हैंडीक्राफ्ट मार्केट एवं स्थायी एक्जीबिशन डोम निर्माण की मांग

महापौर अलका बाघमार से कैट महिला इकाई अध्यक्ष पायल जैन ने की मुलाकात

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम की महापौर अलका बाघमार से कैट दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन ने पदाधिकारियो के साथ मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने शहर के सर्वांगीण विकास के लिए महापौर अलका बाघमार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और महिला उद्यमिता को नई दिशा देने संबंधी कई महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे। सुश्री पायल जैन ने कहा कि कैट दुर्ग महिला इकाई लगातार स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत कार्य कर रही है। संगठन द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और टोकन अमाउंट पर आयोजित प्रदर्शनियों के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इन आयोजनों से महिला उद्यमियों की अच्छी-खासी बिक्री होती है और उन्हें शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों से जुड़ने का भी अवसर मिलता है। इससे वे अपने उत्पादों की सालभर लगातार मार्केटिंग कर पाती हैं। सुश्री पायल जैन ने महापौर से आग्रह किया कि उतई टेम्पो स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर के पीछे जहां कई वर्षों से गुमटियाँ पड़ी हुई हैं, वहाँ की साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण कर त्यौहारों से पूर्व हैंडीक्राफ्ट मार्केट शुरू किया जाए। इससे स्थानीय महिला उद्यमियों और गृह उद्योगों को अपने उत्पाद बेचने का सुनहरा अवसर मिलेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि शहर में एक उपयुक्त स्थान चिन्हित कर स्थायी एक्जीबिशन डोम का निर्माण कराया जाए। इस सुविधा से समय-समय पर महिला उद्यमियों और गृह उद्योगों द्वारा प्रदर्शनियों का आयोजन सुगमता से हो सकेगा और स्थानीय हस्तशिल्प एवं उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सकेगी। सुश्री पायल जैन ने विश्वास व्यक्त किया कि महापौर अलका बाघमार इस पर विचार करेंगी और दुर्ग नगर निगम महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने की दिशा में सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि महापौर के सहयोग से न सिर्फ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी बल्कि शहर के आर्थिक व सांस्कृतिक विकास को भी नई गति मिलेगी। इस अवसर पर महामंत्री गुंजा पींचा,कोषाध्यक्ष अमीना हिरानी,एमएसएमई मो. अली हिरानी मौजूद रहें।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव : जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन

जिले 160 से अधिक आवेदकों ने जॉब के लिए दिया साक्षात्कार

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर मनाए जा रहे छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत आज डॉ. ज्वाला प्रसाद मिश्र शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, मुंगेली में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। यह आयोजन उच्च शिक्षा विभाग रायपुर एवं जिला कलेक्टर मुंगेली कुन्दन कुमार तथा जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडे के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

रोजगार मेले में भारतीय जीवन बीमा निगम, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, केयर हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड एवं लक्ष्मी जॉब कंसल्टेंसी की ओर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बॉबी देवांगन, कलप सिंह, एन. भास्कर, प्रमोद गुप्ता एवं इजराफिल खान ने अपनी-अपनी एजेंसियों से विभिन्न रोजगार अवसर प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए 160 से अधिक छात्र-छात्राओं ने आवेदन पत्र भरकर साक्षात्कार दिए।

कार्यक्रम में अग्रणी कॉलेज प्राचार्य डॉ. शोभित बाजपेई, एसएनजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. रजत दवे, उच्च शिक्षा विभाग जिला मुंगेली के नोडल अधिकारी एवं एनएसएस जिला संगठक एन.के. पुरले, कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार भारती, सहायक प्राध्यापक जितेंद्र शर्मा, सुरेंद्र तिग्गा, गोचंद पटेल, पूनम कोरी, तृप्ति लकड़ा, रामचंद्र साहू, डॉ. रमाकांत चंद्राकर, डॉ. प्रेरणा गुप्ता सहित जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल पर आम आदमी पार्टी ने खोला मोर्चा, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में 18 अगस्त 2025 से चल रही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल और 16ए000 कर्मचारियों के सामूहिक इस्तीफे के मामले में अब आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार कर्मचारियों की जायज़ मांगों को नजरअंदाज कर रही है।

प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू के आव्हान पर पूरे प्रदेश में ज्ञापन सौंपा जा रहा है। राजनांदगांव आम आदमी पार्टी की टीम ने महापौर प्रत्याशी कमलेश स्वर्णकार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने सरकार से मांग की है कि बर्खास्त किए गए 25 कर्मचारियों की बहाली की जाए और सभी हड़ताली कर्मचारियों को हड़ताल अवधि का वेतन दिया जाए।

महापौर प्रत्याशी कमलेश स्वर्णकार ने कहा, भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि सरकार बनने के 100 दिन के भीतर एक कमेटी बनाकर सभी स्वास्थ्य कर्मियों का नियमितीकरण किया जाएगा। लेकिन अब सरकार चुप बैठी है और उल्टा कर्मचारियों को बर्खास्त कर रही है। ये अन्याय है।

उन्होंने कहा कि एनएचएम कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं, और उनकी अनदेखी से अस्पतालों की सेवाएं पूरी तरह ठप हो गई हैं। मरीजों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सरकार का रवैया पूरी तरह असंवेदनशील है।

आम आदमी पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार कर्मचारियों को गुमराह कर रही है। पार्टी का कहना है कि नियमितीकरण राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन सरकार इसे केंद्र का विषय बताकर पल्ला झाड़ रही है।

स्वर्णकार ने सवाल उठाया कि, अगर नियमितीकरण केंद्र का विषय है तो भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में झूठा वादा क्यों किया था? क्या जनता को धोखा देना अब भाजपा की आदत बन चुकी है?

आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो पार्टी पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी और स्वास्थ्य मंत्री के निवास का घेराव भी किया जाएगा।

पार्टी ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर 8 सितंबर को प्रदेशभर में ज्ञापन अभियान चलाया जाएगा। पार्टी का कहना है कि वह एनएचएम कर्मचारियों के साथ खड़ी है और उनकी सभी मांगों को पूरा करवाने के लिए संघर्ष करेगी।

इस दौरान आम आदमी पार्टी के राजेन्द्र सोनी, आरिफ खान, अशोक चौबे, सर्वजीत भाटिया, प्रभांशु खोब्रागढ़े, लोमेश रामटेके, पवन पटवा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे 13 सितम्बर को लेप्रोस्कोपिक आपरेशन शिविर

बसना (समय दर्शन)। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के बढ़ते कदम ने क्षेत्र के जरूरत मंद मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है ।

यहाँ उपलब्ध ओव्हर आल सभी प्रकार के तकनीकी सुविधा से लोगों को बड़े शहर के चक्कर काटने की किल्लत से निजात मिला है। इसी तारतम्य में दिनांक 13 सितंबर 2025 को

नि:शुल्क लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन शिविर

का आयोजन किया जा रहा है।

इस शिविर में पेट से संबंधित सभी प्रकार के ऑपरेशन जैसे- गॉल ब्लैडर की पथरी. हर्निया. अपेंडिक्स. ट्यूमर. ओवरीयन सिस्ट

आदि का पूरी तरह नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा।

कुछ ऑपरेशन जो आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत नहीं आते हैं, उनका ऑपरेशन बहुत ही कम दरों पर (केवल 5000 रुपए)में किया जाएगा।

जैसे: हाइड्रोसील

स्तन की गाँठ (Fibroadenoma), पाइल्स, फ्शिर, नसबंदी ऑपरेशन, अन्य गाँठें।

विशेष सूचना

प्रथम 10 मरीजों को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

उपरोक्त पैकेज में दवाइयां रहना खाना सभी कुछ सम्मिलित है।

अत: सभी इच्छुक मरीज अपना पंजीयन 11 सितंबर 2025, शाम 5 बजे तक अवश्य करा लें।

स्थान-अग्रवाल नर्सिंग होम, बसना

जिला महासमुंद

समय: प्रात: 9 बजे से

आप सभी से अनुरोध है अधिक से अधिक संख्या में इस नि:शुल्क शिविर का लाभ उठाएं।

संपर्क-:7773086100, 9303623130, 9039645760

सैमसंग ने न्यूरोलॉजिका के साथ मिलकर भारत में लॉन्च किया अगली पीढ़ी का मोबाइल सीटी पोर्टफोलियो

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़ेकंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांडसैमसंगने अपनी सहायक कंपनीन्यूरोलॉजिका, जोकि आधुनिक मेडिकल इमेजिंग तकनीकों में वैश्विक अग्रणी है, के सहयोग से भारत में अपनेनेक्स्ट-जनरेशन मोबाइल सीटी प्रोडक्ट पोर्टफोलियोको लॉन्च किया है। भारत मेंडायग्नोस्टिक और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजीको बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए ये नए सिस्टम न केवल आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाए जा सकते हैं, बल्कि एआई - सक्षम तेज़ और सटीक इमेजिंगप्रदान करते हैं औररोगी-केंद्रित डिज़ाइनके साथ स्वास्थ्य सेवाओं को और भी सुविधाजनक बनाते हैं। यह पोर्टफोलियो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं कोकभी भी, कहीं भी उच्च गुणवत्ता वाली देखभालदेने में सक्षम बनाता है।

नई पेश की गई रेंज में सेरेटॉम एलिट, ओमनीटॉम एलिट, ओमनीटॉम एलिटपीसीडी, औरबॉडीटॉम 32/64 शामिल हैं। इन सभी को अस्पतालों और विशेष केंद्रों की अलग-अलग तरह की डायग्नोसस्टिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। सैमसंग की कोशिश है कि सभी आकार के अस्पतालों, विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में इन्हें य अपनाया जाए। इस तरह, कंपनी भारत में उन्नत इमेजिंग तक सबकी पहुंच बनाने के लिए तैयार है।

अतंत्रदासगुप्ता, सैमसंग इंडिया के एच एमई बिजनेस हेड ने कहा, सैमसंग भारत में मोबाइल सीटी समाधानों के साथ चिकित्सा इमेजिंग को और आसान, तेज, और रोगी-केंद्रित बना रहा है। ये नई तकनीकें न केवल तकनीक को बेहतर बनाती हैं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को बड़े शहरों और छोटे शहरों के बीच के अंतर को कम करने में भी मदद करती हैं। हमें यकीन है कि यह पोर्टफोलियो भारत के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करेगा, विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर निदान को बढ़ावा देगा, और मरीजों के लिए बड़े पैमाने पर बेहतर परिणाम देगा।

ग्राम पंचायत सेमरिया ने संकुल स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का किया आयोजन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। संकुल स्तरीय शिक्षक सम्मान एवम उत्कृष्ट छात्रों का सम्मान सेमरिया में सम्पन्न हुआ।ग्राम पंचायत सेमरिया के सरपंच,उप सरपंच और पंचों ने शिक्षक दिवस का आयोजन किया,35 शिक्षको और 46 छात्रों का सम्मान किया गया।।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननिया श्री मती ऊषा सोनवानी,जिला पंचायत सदस्य, अध्यक्षता माननिया श्री मती पुष्पलता मोहित बंजारे,सरपंच सेमरिया, विशिष्ट अतिथि माननीय श्री राजेश साहू ,जनपद पंचायत सदस्य,श्री सतबोधी, सत्व दानी बंजारे, उप सरपंच सेमरिया,श्री मुरली रजक एसएमडीसी अध्यक्ष,श्री तारण दास टंडन सामाजिक कार्यकर्ता,श्री गणेश राम साहू पूर्व उपसरपंच ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे,डॉक्टर राधाकृष्णन,सावित्री बाई फुले के छायाचित्र पर मल्यार्पित कर पूजा अर्चना से किए। अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला और पुष्पगुच्छ से किया गया,कार्यक्रम का संचालन संगीता पाटिल व्याख्याता,सावित्री महिलांग शिक्षक और स्वागत उद्बोधन सूर्यकांत हरदेल संकुल समन्वयक, के द्वारा किया गया।इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी अयोजन हुआ।शिक्षको का सम्मान ग्राम पंचायत सेमरिया के द्वारा प्रतीक चिन्ह,प्रमाण पत्र,डायरी पेन देकर किया गया।संकुल सेमरिया में युक्तियुक्त करण से आए शिक्षको संतोष कुमार पात्रे, भरत लाल साहू, कमलेश ताम्रकार, सूर्यकांत हरदेल,हेमशंकर देवांगन प्रमोटेड शिक्षक का स्वागत सम्मान,अंबिका मंडई पीटीआई शिक्षक को बिदाई प्रतीक चिन्ह,प्रमाण पत्र देकर सम्मानित संकुल सेमरिया के द्वारा किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट छात्रों का सम्मान, मैडल,प्रमाण पत्र,कॉपी पेन देकर किया गया।जिनमे, दसवीं बोर्ड परीक्षा में उमाशंकर साहू में 95.83 ब्र, प्रथम स्थान, हिमानी देवांगन 93.3ब्र द्वितीय, देविका खुटेल 88.3ब्र तृतीय और बारहवीं बोर्ड परीक्षा में जयप्रकाश यादव 92.4ब्र प्रथम, सत्यविजय टंडन 84.6 द्वितीय खिलेश्वरी 81ब्र तृतीय स्थान प्राप्त किए,प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को 5000,द्वितीय को 3000 और तृतीय को 2000 रुपए देकर सरपंच ने सम्मानित किया।क्विज प्रतियोगिता जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दीपांशु महिलांग,ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों, संकुल स्तर में कक्षा पांचवी में ?प्रियतम देशलहरे 94 ब्र (प्रथम)वनीत देशलहरे 93 ब्र (द्वितीय) देवश्री गायकवाड 92 ब्र (तृतीय),कक्षा आठवीं में रजत देशलहरे 92.33ब्र (प्रथम) नूतन साहू 91.50 ब्र(द्वितीय),रुचि 87.83 ब्र (तृतीय) को सम्मानित किया। उप सरपंच सतबोधी सत्व दानी बंजारे के द्वारा शाला स्तर में पांचवीं और आठवी में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को क्रमश: 2000,1000 राशि से सम्मानित किया गया।इस्पायर अवार्ड में चयनित छात्र छात्राओं,राज्य स्तर स्काउट गाइड छात्रों एवम विभिन्न क्षेत्रों में उकृष्ट छात्रों, मितानिनों,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियो के करकमलों से सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम के अतिथियों को प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया।संकुल समन्वयक सूर्यकान्त हरदेल के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए संकुल परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।संकुल स्तरीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननिया श्री मती ऊषा सोनवानी,जिला पंचायत सदस्य, अध्यक्षता माननिया श्री मती पुष्पलता मोहित बंजारे,सरपंच सेमरिया, विशिष्ट अतिथि माननीय श्री राजेश साहू ,जनपद पंचायत सदस्य,श्री सतबोधी, सत्व दानी बंजारे, उप सरपंच सेमरिया,श्री मुरली रजक एसएमडीसी अध्यक्ष,श्री तारण दास टंडन सामाजिक कार्यकर्ता,श्री गणेश राम साहू पूर्व उपसरपंच , ,उपसरपंच श्री विजय कुमार बघेल,संकुल प्रभारी श्री महेंद्र सिंह ठाकुर, संकुल समन्वयक श्री सूर्यकान्त हरदेल,श्री मोहित बंजारे, खिलावन साहू ,समस्त प्रधान पाठक,शिक्षको,छात्रों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं,मितानिनों एवम बहुतायत संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति और सहभागिता रही।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत राज्य सरकार की 1.85 करोड़ रुपये की सब्सिडी का ऑनलाइन अंतरण

प्रदेश में सौर ऊर्जा के उपभोक्ता ऊर्जा उत्पादक के साथ-साथ बन रहे हैं ऊर्जा दाता : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश में सौर ऊर्जा के उपभोक्ता अब केवल ऊर्जा उत्पादक ही नहीं, बल्कि ऊर्जा दाता भी बन रहे हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य की प्राप्ति के संकल्प को तीव्र गति से पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित सौर ऊर्जा जागरूकता और प्रोत्साहन अभियान को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा जागरूकता और प्रोत्साहन अभियान में हुए शामिल, उत्कृष्ट वेंडरों को किया सम्मानित- मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सौर ऊर्जा के फायदों, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना और इसके अंतर्गत मिलने वाली सब्सिडी के विषय में लोगों को जानकारी देने और जागरूक करने के उद्देश्य से सूर्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने 618 उपभोक्ताओं के खातों में प्रत्येक को 30 हजार रुपये की दर से कुल 1.85 करोड़ रुपये की राज्यांश सब्सिडी का ऑनलाइन अंतरण किया।

मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा जागरूकता और प्रोत्साहन अभियान में हुए शामिल, उत्कृष्ट वेंडरों को किया सम्मानित- मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ता प्रदूषण हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और छत्तीसगढ़ इस लक्ष्य की प्राप्ति में पूरे समर्पण और क्षमता के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए हॉफ बिजली बिल से आगे बढ़ते हुए मुफ्त बिजली की ओर ले जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इसे हर्ष का विषय बताते हुए कहा कि प्रदेशवासी इस योजना के महत्व को समझते हुए स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आमजन से आग्रह किया कि वे अपने आसपास के लोगों को भी इस योजना से जोड़ें और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में प्रदेश को अग्रसर बनाने में योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उपभोक्ताओं को सब्सिडी उपलब्ध करा रही हैं। साथ ही बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से आसान वित्तीय सुविधा भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में उपभोक्ताओं को पूर्ण रूप से मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत आज लाभार्थियों को लेटर ऑफ अवार्ड प्रदान किए गए हैं। इन योजनाओं से उपभोक्ता स्वयं सौर ऊर्जा का उत्पादन कर बिजली का विक्रय कर रहे हैं और साथ ही सस्ती बिजली का लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सौभाग्य योजना के माध्यम से हर घर बिजली पहुँचाने का संकल्प लिया था। उस समय देश के 18 हजार गाँव अंधेरे में थे और आज उन सभी गाँवों तक बिजली पहुँच चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब देश स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ में बिजली उत्पादन क्षमता केवल 1,400 मेगावाट थी, जबकि आज प्रदेश 30,000 मेगावाट का उत्पादन कर रहा है और पड़ोसी राज्यों को भी बिजली उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने बताया कि नई उद्योग नीति के अंतर्गत ऊर्जा क्षेत्र में 3.50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू संपादित हुए हैं और आने वाले समय में प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता और भी बढ़ जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस मुख्यालय पहुंची ED की टीम, महामंत्री को सौंपा चालान

रायपुर (समय दर्शन)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम सोमवार दोपहर राजधानी रायपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) मुख्यालय राजीव भवन पहुंची। टीम ने यहां महामंत्री प्रशासन मलकीत सिंह गैदू से मुलाकात की और उन्हें एक चालान की प्रति सौंपी। इस चालान में सुकमा जिला कांग्रेस भवन के निर्माण से जुड़े तथ्यों का उल्लेख किया गया है।

ईडी की पूछताछ- ईडी ने कांग्रेस भवन के निर्माण में खर्च की गई राशि को लेकर पीसीसी से लिखित हिसाब मांगा था। यह विवरण महामंत्री गैदू ने ईडी को सौंपा था। अब एजेंसी ने सवाल उठाया है कि भवन निर्माण में लगा पैसा कहां से आया? क्या यह राशि पीसीसी से जारी की गई थी, और यदि हां, तो कब और किस प्रक्रिया से दी गई?

शराब घोटाले से जुड़ा मामला- गौरतलब है कि सुकमा कांग्रेस भवन को ईडी पहले ही अटैच कर चुकी है। ईडी का आरोप है कि भवन का निर्माण कांग्रेस शासनकाल में हुए कथित शराब घोटाले से प्राप्त राशि से किया गया। इस पूरे निर्माण की निगरानी उस समय के आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने की थी। लखमा वर्तमान में ईडी की गिरफ्त में हैं और रायपुर जेल में बंद हैं।

इच्छायें हैं दु:ख का कारण : मनीष सागरजी महाराज

रायपुर (समय दर्शन)। उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी परमपूज्य श्री मनीष सागरजी महाराज साहब का कहना है कि इच्छायें ही दु:ख का कारण है। क्रोध को कम करने का एक ही तरीका है कि अपनी इच्छाओं को कम करना शुरू कर दें। हमें आत्म विश्लेषण करना चाहिए। अपने भीतर के विकारों को समाप्त करने चिंतन अवश्य करें। बार-बार अभ्यास से ही यह संभव होगा।

टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में आज धर्मसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जितने भी महापुरुष हुए उन्होंने अपने जीने का तरीका स्वयं बनाया। दुनिया के तरीके से जीवन नहीं जिया। अपने क्रोध पर विजय पाया। मन में क्षमा, दया, करुणा का भाव लाया। लक्ष्य हमेशा ऊंचा बनाओ। उस तक पहुंचने का प्रयास करो। गलती हो जाए तो सबक सीखो और आगे बढ़ जाओ। कभी उम्मीद मत हारो।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि क्रोध और करुणा मन में ही रहते हैं। जब क्रोध रहता है तब करुणा नहीं रहती और जब करुणा रहती है तो क्रोध नहीं रहता है। क्रोध आता है तो शब्दों और व्यवहार का ठिकाना नहीं होता। घर का कोई सदस्य क्रोधी हो तो घर में अशांति बनी रहती है। अपने मन में क्रोध नहीं करुणा को स्थान दें। सदैव दया और क्षमा का भाव रखें।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि अपने आप पर विश्वास करना होगा। आपको तय करना पड़ेगा कि बगैर गुस्से के मैं कैसे रह सकता हूं। सहनशील बनना होगा। जब हमें दूसरे का गुस्सा अच्छा नहीं लगता तो हमारा गुस्सा दूसरे को कैसे अच्छा लग सकता है। मन में दृढ़ निश्चय करना होगा कि गुस्सा करना नहीं है। जो गलत है वह पूरा गलत है। यह सिद्धांत होना चाहिए। चाहे दुनिया ईर्ष्या, क्रोध करें लेकिन मैं नहीं करूंगा ये संकल्प करना होगा। जितना गहरा संकल्प होगा उतनी गहरी जागृति होगी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मुझे सुधारना ही है यह भावना होनी चाहिए। चाहे कैसी भी परिस्थिति आ जाए गुस्सा नहीं करना है। जिस चीज के लिए भगवान ने मना किया है,वही काम करते हो तो गुस्सा आता है। इच्छाएं मत रखो तो सुखी रहोगे। भीतर में इच्छाएं होती है तो मन में उपद्रव मचा रहता है। इसका असर हमारे व्यवहार में आ जाता है। हमारा व्यवहार दुर्व्यवहार में बदल जाता है। क्रोध और करुणा में सदैव करना का चयन करो।

एचडीएफसी बैंक ने 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र के साथ अपना वार्षिक शॉपिंग बोनान्ज़ा फेस्टिव ट्रीट्स 2025 किया लॉन्च

मुंबई: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने वार्षिक फेस्टिव ट्रीट्स 2025 अभियान की शुरुआत की घोषणा की है, जो देश में शॉपिंग सीज़न की शुरुआत का आधार तैयार करता है। यह अखिल भारतीय बोनान्ज़ा कार्ड, लोन, पेज़ैप और ईज़ीईएमआई पर 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र लेकर आ रहा है, जिससे ग्राहकों के लिए त्योहारी खरीदारी ज़्यादा किफ़ायती और फ़ायदेमंद हो गई है।

मुख्य विशेषताएँ: अभूतपूर्व बचत: राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अति-स्थानीय भागीदारों के बीच 10,000 से ज़्यादा चुनिंदा सौदे

व्यापक वित्तीय समाधान: एचडीएफसी बैंक कार्ड के माध्यम से किफ़ायती ऋण तक पहुँच; अन्य सुविधाओं के साथ साथ व्यक्तिगत, कार, दोपहिया, व्यावसायिक ऋण; ईज़ीईएमआई, पेज़ैप आदि।

अति-स्थानीय पहुँच: 4,000 से ज़्यादा शहरों और कस्बों में ऑफ़र उपलब्ध हैं, जो पूरे भारत के बाज़ारों में गहरी पैठ सुनिश्चित करते हैं।

बैंक के पास एक्सप्रेस पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, कार लोन, टू-व्हीलर लोन, होम लोन, गोल्ड लोन, एग्री लोन, कमर्शियल व्हीकल्स, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सेविंग अकाउंट, पेजैप, सिक्योरिटीज पर लोन, प्रॉपर्टी पर लोन जैसे कई उत्पादों पर कई ऑफ़र हैं। उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के जरिए की गई खरीदारी पर त्योहारी खरीदारी पर 50,000 रुपये तक की बचत करने का मौका मिलेगा। बैंक ने जिन प्रमुख ब्रांडों के साथ साझेदारी की है उनमें एलजी भी शामिल है जो ग्राहकों को ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 50,000 रुपये कैशबैक के रूप में प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और गूगल पिक्सल एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 10,000 रुपये तक कैशबैक देता है। फेस्टिव ट्रीट्स ऑफ़र कई उत्पादों पर लागू हैं उसके बाद गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दुर्गा पूजा और फिर दिवाली। इस दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित होता है कि ऑफ़र समय पर हों और सभी राज्यों के ग्राहकों के लिए प्रासंगिक हों। एचडीएफसी बैंक इस त्योहारी अभियान के लिए अपनी 9,499 शाखाओं, 21,251 एटीएम और छह लाख से ज़्यादा मर्चेंट व डीलर टचपॉइंट्स के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाएगा। बैंक की योजना ग्राहकों तक इन ऑफ़र्स को पहुँचाने के लिए रिटेल सेंटर्स, आवासीय परिसरों और कार्यालयों में 37,000 से ज़्यादा ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन करने की है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड ङ्क पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज़्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग, श्री पराग राव ने कहा, जैसे-जैसे देश त्योहारों की खुशियों में डूब रहा है, हम अपने उपभोक्ताओं के लिए ढेरों ऑफ़र लेकर आ रहे हैं जो उन्हें वास्तविक मूल्य प्रदान करते हैं और उन्हें हमारे कार्ड्स, लोन्स, पेज़ैप और ईज़ीईएमआई की सुविधा के माध्यम से स्मार्ट तरीके से खर्च करते हुए जश्न मनाने में सक्षम बनाते हैं। फेस्टिव ट्रीट्स हमारी वार्षिक पेशकश है जो हमारे ग्राहकों को त्योहारों पर अपनी बचत को अधिकतम करने के अवसर प्रदान करके मांग को बढ़ाती है और देश के उपभोग पैटर्न का समर्थन करती है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना से श्रीमती सोमड़ी पोड़ियाम को मिली आर्थिक संबल

रायपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना सही मायने में जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक संबल उपलब्ध करा रही है। परिवार के मुखिया के आकस्मिक निधन होने पर उसके आश्रितों को आर्थिक मदद उपलब्ध कराने में जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बनती जा रही है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत दंतेवाड़ा जिला के ग्राम मेटापाल निवासी मृतक देवा पोड़ियाम की पत्नी श्रीमती सोमड़ी पोडियाम को 2 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई। ज्ञातव्य हैं कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना पात्र परिवारों को मात्र 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवच उपलब्ध कराती है, जो संकट की घड़ी में सहारा बनती है। इस क्रम में देवा पोडियाम का निधन 20 मार्च 2025 को हो गया था। इसके चलते उसके परिजनों द्वारा आवश्यक दस्तावेज 21 अगस्त 2025 को बैंक में जमा किए गए थे, जिसके बाद दंतेवाड़ा जिला के बैंक ऑफ बड़ौदा मेटापाल शाखा के माध्यम से 1 सितम्बर 2025 को बीमा राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की गई। साथ ही इस अवसर पर वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बीमा राशि का डेमो चेक नॉमिनी पत्नी श्रीमती सोमड़ी पोड़ियाम एवं पुत्री पांडो पोड़ियाम को प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) भारत सरकार द्वारा 2015 में शुरू की गई एक जीवन बीमा योजना है जो 18 से 50 वर्ष की आयु के बैंक खाताधारकों को किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख का बीमा कवर प्रदान करती है। इसका सालाना प्रीमियम 436 रूपए है, जो बैंक खाते से अपने आप कट जाता है और यह कवर हर साल नवीनीकृत होता है।

राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 14 सितम्बर को

रायपुर (समय दर्शन)। क्षत्रिय राठौर समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में वर्ष 2025 की 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को 14 सितम्बर 2025 को बिलासपुर के स्व. लखीराम अग्रवाल आडिटोरियम में सम्मानित किया जाएगा। राठौर समाज के होनहार बच्चे यदि इस राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो अभी भी अवसर है आवेदन कर सकते है या संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर की पहली महिला विधायक स्वर्गीय रजनी ताई उपासने के निवास पहुंचकर अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के पुलिस लाइन स्थित रायपुर की पहली महिला विधायक एवं समाजसेवी स्वर्गीय श्रीमती रजनी ताई उपासने के निवास पहुँचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रजनी ताई उपासने के योगदानों का पुण्य स्मरण किया तथा शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, श्री संतोष शर्मा, श्री जगदीश उपासने सहित परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि रजनी ताई का निधन पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। आपातकाल के कठिन दौर में उन्होंने जिस साहस और धैर्य का परिचय दिया, वह प्रेरणादायी है। अपने कार्यकाल में उन्होंने जनता के हितों और रायपुर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सादगी, ईमानदारी और समाज से गहरे जुड़ाव के कारण उन्हें विशिष्ट पहचान मिली। वे महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर सक्रिय रहीं। श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि रायपुर की पहली महिला विधायक और समाजसेवी श्रीमती रजनी ताई उपासने का हाल ही में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वर्ष 1977 में जनता पार्टी से चुनाव जीतकर उन्होंने इतिहास रचते हुए रायपुर की पहली महिला विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया। उस दौर में जब राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सीमित थी, ऐसे समय में जनता का विश्वास जीतना उनके साहस और संघर्ष का प्रतीक था।

तेजी से विकास कार्य कराएं जा रहे हैं : राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा

सकरी में 49.9 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

रायपुर (समय दर्शन)। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने रविवार को बलौदाबाजार प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत सकरी में 49.9 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। मंत्री श्री वर्मा ने जिन विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया उनमें 16 लाख रुपए से किसान कल्याण उत्पादक सहकारी समिति कार्यालय का भूमिपूजन शामिल है। इसी प्रकार 5 लाख रुपए से गली कांक्रीटीकरण, 3 लाख रुपए से महामाया मंदिर परिसर में रंगमंच निर्माण, 6.9 लाख रुपए की लागत से योगा शेड का निर्माण, 16 लाख रुपए से महतारी सदन और 3 लाख रुपए से बाजार चौक में रंगमंच भवन का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गांव गरीब, किसान, जवानों के लिए विकास कार्यों को गति दे रही है। जनता से किए गए वादों को समय में पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनहितैषी निर्णयों से प्रदेश में खुशहाली का माहौल है। महतारी सदन का उपयोग महिला समूहों की बैठकों और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मंत्रालय में हुई विभागीय समीक्षा बैठक, योजनाओं की प्रगति पर हुई गहन चर्चा

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास से जोड़ें: मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

रायपुर (समय दर्शन)। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल में सशक्त बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जाएँ, ताकि प्रशिक्षित युवाओं को आसानी से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम चाहते हैं कि हर युवा अपने हुनर के बल पर आत्मनिर्भर बने और उसे बेहतर रोजगार या स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हों। मंत्री जी ने यह भी निर्देश दिए कि ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों के युवाओं को योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सके।

मंत्री श्री साहेब ने कहा कि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री साहेब ने आज मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान कौशल विकास,

तकनीकी शिक्षा, रोजगार और अनुसूचित जाति विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने राज्य के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष बल दिया। मंत्री श्री साहेब ने कहा- छत्तीसगढ़ के तकनीकी संस्थानों को देश के श्रेष्ठ संस्थानों की श्रेणी में लाने के लिए हमें शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना होगा। प्रयोगशालाओं सहित अन्य सुविधाएँ सुदृढ़ करना हमारी प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

अनुसूचित जाति विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री श्री साहेब ने अधिकारियों से कहा कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र छात्र को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहना चाहिए। यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रशिक्षण और आवासीय सुविधाएँ समय पर रूप से उपलब्ध हों। उन्होंने जिला स्तर पर विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सतत निगरानी हो सके।

मंत्री श्री गुरू खुशवंत साहेब ने रोजगार विभाग के अधिकारियों से रोजगार मेला एवं प्लेसमेंट कैंप, स्कूल और कॉलेजों में कैरियर मार्गदर्शन, ई-रोजगार पोर्टल, छत्तीसगढ़ रोजगार एप, अग्निवीर भर्ती परीक्षा तथा विभागीय नवाचार सहित विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य स्तरीय विशाल रोजगार मेला का आयोजन किया जाए ताकि बेरोजगार नवयुवक नियोजित हो सके।

मंत्री श्री साहेब ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुँचना चाहिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आमजन के साथ संवाद बनाए रखने, नियमित फील्ड विजिट करने और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष व्यापम श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने व्यवसायिक परिक्षा मण्डल की गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही उन्होंने व्यापम द्वारा ली जाने वाली प्रवेश परीक्षा, पात्रता परीक्षा और भर्ती परीक्षाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। श्रीमती पिल्ले ने आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने के लिए किए गए प्रयासों से भी अवगत कराया।

बैठक में कौशल एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस भारतीदासन, कौशल विकास के संचालक श्री विजय दयाराम, तकनीकी विश्वविद्यालय एवं आई.टी. आई के अधिकारी गण सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

संपादकीय

अवैध प्रवासियों की घुसपैठ

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने को लेकर सरकार द्वारा अपनाई गई मानव संचालन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मांगी। केंद्र से पूछा क्या वह अवैध प्रवासियों की घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर दीवार बनाना चाहता है। पीठ ने बंगाली व पंजाबीभाषी भारतीयों की पड़ोसी मुल्कों के साथ साझा सांस्कृतिक व भाषाई विरासत की भी चर्चा की। पीठ ने स्वीकारा कि पीड़ित संसाधनों की कमी के अभाव में शीर्ष अदालत पहुंचने में असमर्थ हैं। सरकार की तरफ से दी गई दलील में एजेंटों के अवैध प्रवेश करवाने की बात की गई और कहा गया कि वे हमारे संसाधनों को नष्ट न करें। इस पर अदालत ने कहा यह राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता व संसाधनों का सवाल है पर बंगाल व पंजाब की साझी विरासत पर केंद्र अपनी स्थिति स्पष्ट करे। बीते दिनों प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाए कि केंद्र द्वारा बंगाली भाषाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। बहस के दरम्यान केंद्र की तरफ से रोहिंग्याओं का जिक्र भी हुआ जिनके साथ आतंकवादियों के घुसपैठ का भी संदेह जताया गया। अवैध प्रवासियों के चोरी-छिपे पड़ोसी मुल्कों में प्रवेश को लेकर दुनिया भर की सरकारें त्रस्त हैं। देश भर के सत्रह राज्यों में घुसपैठियों के रहने की बात सरकार द्वारा स्वीकारी जाती है। पंजाबी या बंगाली बोलने वालों को भारतीयों के साथ घुलने-मिलने में दिक्कत भी नहीं आती। जाहिर है, इनमें से कुछ रोजगार व सुरक्षा की तलाश में घुसते हैं। मगर अराजकता फैलाने व आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की मंशा से गलत तरीकों से सीमा पार करने वालों की भी कमी नहीं है। बार-बार दोहराया जाता है कि अकेले दो करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों के देश में रहने की चर्चा होती रहती है जिनमें से तकरीबन आधे पश्चिम बंगाल में ही लुक-छिप कर रह रहे हैं। हालांकि इस दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती। केंद्र द्वारा बनाए गए नागरिकता संशोधन अधिनियम पर विरोध के साथ ही राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के हवाले से बयानबाजियां करते रहे हैं। बेशक, धरपकड़ अभियानों द्वारा मुट्ठी भर घुसपैठिये ही पकड़ में आते हैं। इन्हें रोकने के लिए न तो दीवारें उठाई जा सकती हैं, न ही अभी अवैध घुसपैठियों को एक ही लाठी से हांका जा सकता है, जो कंटीली बाड़ों और मुस्तैद सुरक्षा-व्यवस्था के बावजूद घुसपैठ करते हैं, वे दीवारें लांघने में क्यों घबराएंगे।

प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते

रोहित कौशिक

बारिश और बाढ़ के कारण भारत के कई राज्यों में भारी तबाही हुई है। एक तरफ नदियां उफान पर हैं, तो दूसरी तरफ पहाड़ टूट रहे हैं। महाराष्ट्र में पिछले कई दिनों से बारिश का कहर जारी है। मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देश के अनेक हिस्सों में बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है। राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश के कारण स्थिति खराब हो गई है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी कई जगहों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से पार पहुंचने के कारण हालात खराब हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से भूस्खलन होने के कारण कई सड़कें बंद हैं। त्रिपुरा में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और नगालैंड में भी यही हाल हैं। भारी बारिश की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं। विकास परियोजनाओं के लिए जिस तरह जंगलों को नष्ट किया गया, उसने स्थिति को और भयावह बना दिया है। इसके कारण मानसून तो प्रभावित हुआ ही, भू-क्षरण एवं नदियों द्वारा कटाव किए जाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी। बाढ़-सूखा जमाने से जीवन को परेशानी में डालते रहे हैं। बाढ़-सूखा प्राकृतिक आपदाएं भर नहीं हैं, बल्कि प्रकृति की चेतावनियां भी हैं। सवाल है कि क्या हम पढ़-लिख लेने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते हैं। विडम्बना ही है कि पहले से अधिक पढ़े-लिखे समाज में प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठा कर जीवन जीने की समझदारी अभी भी विकसित नहीं हो पाई है। बाढ़-सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं पहले भी आती थीं लेकिन उनका अपना अलग शास्त्र और तंत्र था। इस दौर में मौसम विभाग की भविष्यवाणियों के बावजूद हम बाढ़ का पूर्वानुमान नहीं लगा पाते। दरअसल, प्रकृति के साथ जिस तरह का व्यवहार हम कर रहे हैं, उसी तरह का व्यवहार प्रकृति भी हमारे साथ कर रही है। पिछले कुछ समय से भारत को जिस तरह सूखे-बाढ़ का सामना करना पड़ा है, वह आईपीसीसी की जलवायु परिवर्तन पर आधारित उस रिपोर्ट का ध्यान दिलाता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़-सूखे जैसी आपदाओं की चेतावनी दी गई थी। आज ग्लोबल वार्मिंग जैसा शब्द इतना प्रचलित हो गया है कि इस मुद्दे पर हम बनी-बनाई लीक पर ही चलना चाहते हैं। यही कारण है कि कभी हम आईपीसीसी की रिपोर्ट को संदेह की नजर से देखने लगते हैं, तो कभी ग्लोबल वार्मिंग को अनावश्यक हौव्वा मानने लगते हैं। विडंबना ही है कि हम इस मुद्दे पर बार-बार सच से मुंह मोड़ना चाहते हैं। दरअसल, प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा जलवायु परिवर्तन के किस रूप में हमारे सामने होगा, यह नहीं कहा जा सकता। जलवायु परिवर्तन का एक ही जगह पर अलग-अलग असर हो सकता है। यही कारण है कि हम बार-बार बाढ़-सूखे का ऐसा पूर्वानुमान नहीं लगा पाते जिससे लोगों की जान-माल की समय रहते पर्याप्त सुरक्षा हो सके। शहरों और कस्बों में होने वाले जल-भराव के लिए काफी हद तक हम भी जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों में कस्बों और शहरों में जो विकास और विस्तार हुआ है, उसमें पानी की समुचित निकासी की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। गंदे नालों की पर्याप्त सफाई न हाने से उनकी पानी बहा कर ले जाने की क्षमता लगातार कम हो रही है। यही कारण है कि अधिकतर कस्बों और शहरों में थोड़ी बारिश होने पर ही सड़कों पानी भर जाता है। गौरतलब है कि 1950 में हमारे यहां लगभग ढाई करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी थी जहां पर बाढ़ आती थी लेकिन अब लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी है, जिस पर बाढ़ आती है। हमारे देश में केवल चार महीनों के भीतर ही लगभग अस्सी फीसद पानी गिरता है। उसका वितरण इतना असमान है कि कुछ इलाके बाढ़ और बाकी इलाके सूखा झेलने को अभिशप्त हैं।

सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं है पंजाब की बाढ़

राजेश कुमार पासी

इस समय हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, राजस्थान और पंजाब-हरियाणा विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे हैं । देखा जाए तो भारी बारिश ने पूरे उत्तर-भारत में तबाही मचाई हुई है । टीवी मीडिया और सोशल मीडिया में आने वाले भयानक दृश्य देखकर पूरे शरीर में सिहरन दौड़ जाती है । हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई बार बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं जिसके कारण सैकड़ों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है । इसके अलावा इन पहाड़ी प्रदेशों में सड़कों और पुलों की जबरदस्त तबाही हुई है । इन प्रदेशों में जो बुनियादी ढांचा बर्बाद हुआ है, उसे दोबारा बनाने में काफी समय लगने वाला है । हरियाणा में भी बाढ़ ने भयानक तबाही मचाई है लेकिन पंजाब की बर्बादी परेशान करने वाली है । पंजाब की लगभग तीन लाख एकड़ भूमि बाढ़ के पानी में डूब चुकी है जिसके कारण फसलों की पूरी बर्बादी हो गई है । इसके अलावा कृषि भूमि में नदियों की रेत इस तरह से भर गई है कि दोबारा खेती करने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी ।

पंजाब के लगभग 2000 गांव बाढ़ में डूबने से भारी तबाही हुई है. मरे हुए मवेशियों की लाशें तैरती नजर आ रही हैं । इसके अलावा सैकड़ों मवेशी बाढ़ के पानी में बहकर पाकिस्तान जा चुके हैं । बाढ़ के कारण हजारों लोगों की अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है । हिमालय से निकलने वाली जीवनदायिनी नदियों ने अपनी ताकत का अहसास करवाया है । पंजाब को बाढ़ से बचाने के लिए जो बांध बनाए गए थे, वो अपना काम करने में नाकाम रहे हैं । इसके विपरीत इन बांधो ने भी इस समस्या को बढ़ाया है । इस पर विचार करने की जरूरत है कि जिन बांधों को बाढ़ से बचाव के लिए बनाया गया था, क्यों वो अपना काम नहीं कर पाए । पंजाब को पांच नदियों का प्रदेश कहा जाता है. इन नदियों के विकराल रूप ने न केवल भारतीय पंजाब बल्कि पाकिस्तान पंजाब को सहमा दिया है । पंजाब में हुए विनाश को देखते हुए केंद्र सरकार से जनता दखल देने की मांग कर रही है । इस समय पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को भोजन, दवाइयों और वित्तीय मदद की जरूरत है । पंजाब में क्रिकेटर, सिंगर, खिलाड़ी, अभिनेता और अन्य सेलिब्रिटी मदद के लिए आगे आए हैं जिससे राहत कार्य चल रहे हैं ।

9 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी भी पंजाब का दौरा कर रहे हैं जबकि केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह पहले ही पंजाब का दौरा कर चुके हैं । उम्मीद है कि प्रधानमंत्री के दौरे के बाद पंजाब के लिए केन्द्र सरकार द्वारा कोई राहत पैकेज घोषित किया जाए । केन्द्र सरकार की समस्या यह है कि भारत के बड़े हिस्से में बाढ़ से तबाही हुई है और सभी उससे राहत पैकेज की मांग कर रहे हैं । वैसे देखा जाए तो पंजाब की समस्या ज्यादा गंभीर दिखाई दे रही है इसलिए केन्द्र सरकार को इस पर ध्यान देना होगा । वैसे हमारे देश में हर मुद्दे पर राजनीति होती है, इसलिए ऐसे मामले सुलझाने में समस्या आती है । पंजाब में विपक्ष की सरकार है इसलिए केन्द्र सरकार से राहत पैकेज के नाम पर इतनी राशि मांगी जा रही है, जिससे राहत पैकेज के बाद राजनीति की जा सके । देखा जाए तो ऐसी विभीषिका से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकार को मिलकर काम करना चाहिए लेकिन भारत में राजनीति का स्तर इतना गिर गया है कि देशहित से ऊपर दलहित हो गया है । इस विभीषिका के लिए केन्द्र और राज्य की सरकारों को दलगत हितों से ऊपर उठकर काम करने की जरूरत है ।

हमारे देश की विडम्बना है कि नौकरशाही और नेता बाढ़ जैसी आपदा को अपने लिए एक मौका मानते हैं । कौन नहीं जानता है कि भारत में ऐसी आपदाओं के राहत कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार होता है । राहत कार्यों का प्रचार तो जबरदस्त होता है लेकिन जनता का फायदा बहुत कम होता है । बाढ़ के समय जनता की शिकायत सामने आ रही है कि राज्य सरकार की मशीनरी दिखाई नहीं दे रही है । यही कारण है कि पंजाब की मदद के लिए सेलिब्रिटी सामने आए हैं । केन्द्र सरकार की आपदा एजेंसी एनडीआरएफ ने बहुत काम किया है और इसके अलावा सेना ने भी भारी मदद की है । वास्तविक समस्या बाढ़ का पानी उतरने के बाद सामने आने वाली है । पानी के जमाव के कारण बीमारियां फैलने का खतरा है । बाढ़ के कारण पंजाब के बुनियादी ढांचे को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करना आसान होने वाला नहीं है । वास्तव में पंजाब की आर्थिक स्थिति पहले ही खराब चल रही है, ऐसे में बाढ़ के कारण किसानों और पशुपालकों को हुए नुकसान की भरपाई करना राज्य सरकार के लिए बहुत मुश्किल होने वाला है । पहले ही पंजाब भारी कर्ज से दबा हुआ है, इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को और कर्ज लेना पड़ सकता है ।

पंजाब में जो तबाही हुई है, उसे प्राकृतिक आपदा कहा जा सकता है लेकिन यह पूरा सच नहीं है । इस आपदा के लिए नौकरशाही, प्रशासन और जनता जिम्मेदार हैं । पिछले कई वर्षों से जीवन पर जलवायु परिवर्तन का असर दिखाई दे रहा है । अत्याधिक गर्मी, वर्षा और ठंड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं । ग्लोबल तापमान बढ़ता जा रहा है । कई दिनों तक होने वाली बारिश कुछ ही घंटो में हो जाती है जिसके कारण पानी निकलना मुश्किल हो जाता है । पहाड़ो में बादल फटना आम बात हो गई है । बेशक पंजाब को पांच नदियों का प्रदेश कहा जाता है लेकिन ऐसी बाढ़ का इतिहास बहुत कम है । पंजाब को बाढ़ से बचाने के लिए बांधों का निर्माण किया गया था लेकिन उनके प्रबंधन में हुई गलती का परिणाम भी पंजाब को भुगतना पड़ रहा है । इसके लिए पंजाब की राजनीति भी जिम्मेदार है । मानसून से पहले बांधों को खाली किया जाता है ताकि बारिश के अतिरिक्त पानी को रोककर उन्हें दोबारा भरा जा सके । इसके लिए बांध प्रबंधन भारतीय मौसम विभाग, यूरोपीय मौसम विभाग और ग्लोबल वेदर एजेंसी से डाटा लेता है जिसके अनुसार वो यह तय करता है कि कितना पानी बांध से निकालना है । इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश की संभावना जताई गई थी लेकिन बांध इतने खाली नहीं किए गए कि पंजाब को बाढ़ से बचाया जा सके । बांध से पानी छोड़ने के मामले में राजनीति भी देखने को मिली थी । यह जांच विषय है कि समय पर बांध से ज्यादा पानी नहीं छोड़ा गया जिसके कारण उसमें पानी धारण करने की क्षमता कम हो गई । बाढ़ के प्राकृतिक कारणों पर हम कुछ नहीं कर सकते लेकिन मानवीय कारणों से निपटने की कोशिश होनी चाहिए । नदियों, नालों, और तालाबों पर अतिक्रमण आम बात हो गई है । नदियों के किनारे बड़ी-बड़ी कलोनियां बन गई हैं और नालों को पाटकर उनपर मकान बना दिए गए हैं । गुड़गांव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां नालों को पाटकर पूरा शहर बसा दिया गया है । यही कारण है कि हर बार गुड़गांव पानी में डूब जाता है क्योंकि पानी के रास्ते में भवन, सड़के और फ्लाईओवर खड़े हुए हैं । पंजाब में भी रियल स्टेट सेक्टर ने नालों और तालाबों को पाटकर पानी निकलने के रास्ते बंद कर दिए हैं । इसके अलावा तालाबों को पाटकर खेती शुरू कर दी गई है जिसके कारण जल संग्रहण की क्षमता खत्म हो गई है और कृषि भूमि पानी से डूब रही है ।

थोड़ी सी बरसात के बाद ही जलजमाव बड़ी समस्या बनती जा रही है जिसके कारण सड़कों पर जाम लग जाता है । सीवरेज की गंदगी नालों के जरिये नदियों में जा रही है, जिसके कारण नदियों में गाद जमा हो रही है । गाद के कारण नदियों की जल संग्रहण क्षमता बहुत कम होती जा रही है । सतलुज नदी की जल ग्रहण क्षमता तीन लाख क्यूसेक की है लेकिन गाद के कारण यह क्षमता घटकर सत्तर हजार रह गई है । अब यह तय होना चाहिए कि नदियों से गाद निकालना किसकी जिम्मेदारी थी । अगर यह जिम्मेदारी सही तरह से निभाई गई होती तो नदियां इस तरह नहीं उफनती और पंजाब इस तरह नहीं डूबता । क्या देश की जनता नहीं जानती कि गाद हटाने का काम सिर्फएक खानापूरी बन गया है । कुछ दिनों बाद जनता फिर अपनी जिंदगी में मस्त हो जाएगी और व्यवस्था अपनी चाल से चलती रहेगी ।

बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र और राज्य की सरकारों को मिलकर काम करने की जरूरत है । बाढ़ आने पर अल्पकालिक उपायों से कुछ होने वाला नहीं है बल्कि भविष्य को देखकर दीर्घकालिक योजनाएं बनाने की जरूरत है । बांधो के प्रबंधन में राजनीति का दखल नहीं होना चाहिए क्योंकि हमारे इंजीनियर अच्छी तरह जानते हैं कि उन्हें क्या करना है । वास्तव में राजनीति के कारण ही बांधों को इतना खाली नहीं किया गया कि वो सही तरीके से अपना काम नहीं कर सके । नदियों से गाद निकालना प्रशासन का काम है और इसके लिए उचित धनराशि उपलब्ध करवाई जानी चाहिए । सरकार और समाज को तालाबों को जीवित करने की जरूरत है ताकि वो अतिरिक्त पानी को जमा करके ऐसी समस्या से बचा सके । नालों की सफाई का ध्यान रखने की जरूरत है ताकि वो समय पर शहरों से पानी को बाहर निकाल सके । जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई है और हमें इसकी कीमत चुकानी है । जनता को अपनी जिम्मेदारी समझने की भी जरूरत है ।

नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक

कमलेश पांडे

मौजूदा नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थ भारत के सपनों को पंख लगाने वाला वह निर्णायक उपाय है जिसका सकारात्मक असर बहुत जल्द ही देश-दुनिया पर दिखाई पड़ेगा। बता दें कि 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक, जो गत 3 सितम्बर 2025 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित हुई, ने नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों की घोषणा की। जिसके दृष्टिगत यह कहा जा सकता है कि यह भाजपा सरकार का एक साहसिक, ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है, जिसने भारत की आधुनिक आर्थिक क्रांति के निर्माता के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत किया है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक लाल किले के संबोधन में घोषित और आगामी 22 सितम्बर 2025 अर्थात नवरात्रि के पहले दिन से लागू होने वाले ये सुधार वास्तव में 140 करोड़ भारतीयों के लिए राहत और समृद्धि का पर्व हैं। ऐसा इसलिए कि भाजपा नीत एनडीए के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने पुराने जटिल कर ढांचे को सरल बनाकर नागरिकों के अनुकूल 2-स्लैब संरचना में बदल दिया है। इसके तहत आवश्यक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और सामान्य वस्तुओं और सेवाओं पर 18 प्रतिशत और केवल विलासिता एवं हानिकारक वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है। इस प्रकार से यह वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार है।

ऐसा होने से दैनिक आवश्यक वस्तुएँ, जैसे- दूध, चावल, आटा, चाय, दही, किताबें और भारतीय रोटियाँ अब या तो कर-मुक्त हैं या सिर्फ5 प्रतिशत पर कर लग रहा है। यह पीएम मोदी जी की गरीब और मध्यम वर्ग के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है ताकि कोई भी भारतीय परिवार अपनी रोज़मर्रा की जरूरतों से बोझिल न हो। यह भाजपा सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की प्रतिबद्धता का दोहराव भी है।

खास बात यह है कि अब स्वास्थ्य सेवाएँ भी सुलभ हुई हैं। क्योंकि सभी स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियाँ कर-मुक्त कर दी गई हैं और जीवनरक्षक दवाओं पर भी जीएसटी शून्य कर दिया गया है। इस प्रकार भाजपा नीत एनडीए सरकार ने आम आदमी के दु:ख-दर्द के प्रति अपनी जो गहरी संवेदनशीलता दिखाई है और संकट की घड़ी में गरिमा और राहत सुनिश्चित की है, वह सराहनीय है। लगता है कि सरकार पर आरएसएस का बौद्धिक दबाव काम कर गया है। आपको पता है कि किसान वर्ग जो भारत की रीढ़ समझे जाते हैं, सुधारों के केंद्र में हैं। उनके फायदे के लिए ही ट्रैक्टर, सिंचाई प्रणालियों, खाद और कीटनाशकों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे खेती की लागत घटेगी और ग्रामीण समृद्धि बढ़ेगी। इससे स्पष्ट हो गया है कि यह लोकहितैषी सरकार वास्तव में किसानों के साथ खड़ी है। वहीं, गृहिणियों और परिवारों को भी इस जीएसटी सुधार से सीधा लाभ मिला है। क्योंकि साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट, साइकिल, रेफ्रिजरेटर, टीवी और वॉशिंग मशीन जैसी घरेलू वस्तुएँ अब सस्ती होंगी। इस प्रकार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने यह कर दिखाया है कि वह हर भारतीय परिवार के सरल जीवन यापन (इज ऑफ लिविंग) की परवाह करती है और टैरिफके मामले में अमेरिकी झटका लगने के बावजूद वह जनकल्याण को समर्पित है। यह आम भारतीयों के लिए सौभाग्य की बात है। आरएसएस-भाजपा जैसे जमीनी संगठनों से ऐसे ही सकारात्मक बदलाव की उम्मीद साल 2014 से ही की जा रही थी, जो अब जाकर पूरी हुई है।

इस जीएसटी सुधार से युवा आकांक्षाओं की पूर्ति होने में भी मदद मिली है, क्योंकि छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी में कटौती से वे पहली बार खरीदारों के लिए सस्ती होंगी। वहीं, इनकी बढ़ती मांग से रोजगार भी पैदा होंगे, जो मोदी जी की युवा सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वहीं, हालिया बदलाव से तेज रफ्तार अवसंरचना विकास को भी बल मिलेगा, क्योंकि सीमेंट पर कर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे आमलोगों के घरों की लागत कम होगी और खास लोगों को भी अतिरिक्त बचत का मौका मिलेगा। इससे निकट भविष्य में अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की गति बढ़ेगी, जिससे लाखों रोजगार सृजित होंगे। बतातें चलें कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अवसंरचनात्मक विकास सिर्फ नीति नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण का मजबूत मिशन भी है।

अर्थशास्त्रियों की राय है कि मौजूदा अभूतपूर्व जीएसटी बदलाव से एमएसएमई रोजगार की रीढ़ समझे जाने वाले छोटे छोटे व्यवसायों को भी काफी लाभ मिलेगा। इससे उनको आशातीत विकास का अवसर मिला है। वहीं, जीएसटी के सरल अनुपालन, एआई आधारित निगरानी और तेज़ रिफंड से कांग्रेस के लंबे उपेक्षा काल के बाद, भाजपा सरकार ने इन्हें नवाचार, विस्तार और मजबूती दी है, जो सराहनीय पहल बताई जा रही है।

कहना न होगा कि ये सभी सुधार सीधे तौर पर भाजपा की आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं का पूरक समझी जाती हैं। इसलिए लागत घटाकर और लालफीताशाही कम करके पीएम मोदी जी ने दिखाया है कि सुधार सिर्फ नारे से नहीं बल्कि वास्तविक कार्रवाई की वजह से आती हैं।

मौजूदा जीएसटी सुधार से कपड़ा और उर्वरक उद्योग, जो लंबे समय से उल्टे कर ढांचे से जूझ रहे थे, को भी लाभ मिलेगा, क्योंकि अब उन्हें भी जीएसटी दरों के युक्तिकरण से सीधा लाभ मिलेगा। इस प्रकार यह न सिर्फउद्योग को बढ़ावा देता है बल्कि भाजपा की निर्णायक और उत्तरदायी शासनशैली को भी दर्शाता है। सरकार की इस पहल से मध्यम वर्ग का भी सशक्तिकरण होगा। ऐसा इसलिए कि कांग्रेस, जिसने मध्यम वर्ग को टैक्स मशीन की तरह इस्तेमाल किया, उसके विपरीत भाजपा नीत एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उन्हें बेमिसाल राहत दी है, क्योंकि अब आवश्यक वस्तुएँ कर-मुक्त हैं और आकांक्षी वस्तुएँ सस्ती। इससे कारोबार में भी इजाफा होगा। वहीं, जीएसटी सरलीकरण से भारत की लॉजिस्टिक लागत कम हुई है, जिससे भारतीय वस्तुएँ वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनी हैं। एक बार फिर, भाजपा के जीएसटी सुधारों ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दृष्टि को साबित किया है।

महत्वपूर्ण बात यह कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण दिसंबर 2025 तक शुरू किया जाएगा। इसके लिए भाजपा सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि वर्षों से झेली जा रही परेशानियों का अंत हो और व्यवसायों को न्याय, पारदर्शिता और तेज़ समाधान मिले। जहां तक महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण का सवाल है तो सरल जीएसटी और आसान क्रेडिट पहुँच से महिला नेतृत्व वाले एमएसएमई को विस्तार, रोजगार और नवाचार का अवसर मिलेगा। यह प्रधानमंत्री मोदी जी की 'नारी शक्ति भारत की प्रगति की चालक है' वाली सोच से जुड़ा है।

जहां तक इस सामूहिक सरकारी फैसले के सामूहिक आर्थिक प्रभाव का सवाल है तो नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों से जीडीपी में 1-1.2 प्रतिशत की वृद्धि और महंगाई में 1 प्रतिशत से अधिक की कमी का अनुमान है। यह भाजपा सरकार की विकास और स्थिरता के संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। सवाल है कि जब दुनिया मंदी से जूझ रही है, तब भाजपा शासन में भारत 7.8 प्रतिशत की दर से सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की निर्णायक और दूरदर्शी शासनशैली का प्रमाण है।

ऐसे में कहना न होगा कि यूपीए बनाम एनडीए का फर्क अब साफ महसूस किया जाएगा। क्योंकि यूपीए के दौर में जहां आटा, चावल और चाय पर वैट लगाया जाता था; वहीं अब एनडीए सरकार में वे कर-मुक्त हैं। स्पष्ट है कि कांग्रेस ने केवल वादे किए, जबकि भाजपा ने वास्तविक परिवर्तन लाकर दिखाया। और अंतत: यह कहना समीचीन होगा कि नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र-निर्माण की तेज रफ्तार के परिचायक बन चुके हैं। ये पहल हर नागरिक को राहत, हर उद्योग को प्रोत्साहन देते हैं और भारत को विकसित भारत 2047' के सपने के और करीब ले जाते हैं।

साइलेंट किलर कोलेस्ट्रॉल शुगर को एक साथ खत्म करेंगे मेथी के दाने

होम्योपैथी डॉक्टर के अनुसार, अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो हाई ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल आपके लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इन्हें साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि इनसे पीड़ित लोगों का शरीर धीरे-धीरे अंदर से खोखला होता रहता है। ध्यान रहे कि डायबिटीज का कोई इलाज नहीं है इसलिए ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखना जरूरी है। हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड शुगर लेवल को एक साथ कुछ घरेलू उपायों से ठीक किया जा सकता है। चलिए जानते हैं इसका एक आसान घरेलू उपाय क्या है।

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर लेवल बढ़ना दोनों ही शरीर के लिए खतरनाक स्वास्थ्य समस्याएं हैं। आजकल अधिकतर लोग इन दोनों गंभीर रोगों से पीड़ित हैं। एक तरह जहां कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा होता है, वहीं ब्लड शुगर लेवल बढ़ने से ज्यादा प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना और आंखों की रोशनी पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर का घरेलू उपाय

डॉक्टर के अनुसार, अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं और आपका ब्लड शुगर लेवल हमेशा बढ़ा रहता है, तो पूरे चांस हैं कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ सकता है। कुछ घरेलू नुस्खों के जरिए बढ़े हुए शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को मेंटेन कर सकते हैं।

आपको क्या-क्या चाहिए

1 गिलास पानी
1 चम्मच मेथी के दाने
1 चम्मच धनिया के बीज

कैसे तैयार करें मिश्रण

एक बड़ा बर्तन लें और उसमें एक गिलास पानी डालकर गर्म कर लें
गर्म पानी में ऊपर बताई सभी चीजें डालकर उबाल लें
एक गिलास पानी जब आधा रह जाए तो आप उसे छान लें

कैसे करें सेवन

इस पानी को आपको सुबह नाश्ता करने से आधा या पौना घंटा पहले पीना चाहिए। बेहतर रिजल्ट के लिए इस नुस्खे को कम से कम एक महीना ट्राई करें। यह बहुत ही प्रभावी तरीके से आपके शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में आपकी मदद कर सकता है।

आई फ्लू से लाल हो रही आंखों को दर्द, जलन और चुभन से तुरंत आराम देंगे ये घरेलू नुस्खे

इन दिनों देश के लगभग सभी राज्यों में आई फ्लू ने कहर मचा रखा है। इसे मेडिकल भाषा में पिंक आई इन्फेक्शन या कंजंक्टिवाइटिस भी कहा जाता है। ऐसा माना जा रहा है कि बारिश और बाढ़ के बाद यह स्थिति पैदा हुई है। आई फ्लू के लक्षणों की बात करें, तो इस संक्रमण में मरीज की आंखें लाल हो जताई है, आंखों में सूजन हो जाती है, आंखों से लगातार पानी और गंदगी निकलती रहती है, साथ ही आंखों में जलन, चुभन और दर्द होता है। यह संक्रमण कम से कम एक हफ्ते तक बना रहता है।
आई फ्लू के घरेलू उपाय क्या हैं?
सबसे चिंता की बात यह है कि यह आई टू आई कांटेक्ट से तेजी से फैलता है। इसके अलावा मरीज के किसी के संपर्क में आने से भी यह फैल सकता है।

ग्रीन टी बैग

आई फ्लू में तेज दर्द, सूजन और जलन होती है। ऐसे में आंखों को ठंडाई देने से आपको आराम मिल सकता है और यह काम टी बैग से बेहतर कोई नहीं कर सकता है। कुछ तरह की चाय में एंटी इंफ्लेमेटरी और सूथिंग यानी आराम देने वाले गुण होते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ग्रीन टी, कैमोमाइल, रूइबोस और ब्लैक टी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। आंखों पर टी बैग का उपयोग सूजन को कम करने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

गर्म पानी की सिकाई

अगर आंखें दुखती हैं, संक्रमित हैं या उनमें जलन हो रही है, तो गर्म सिकाई से आपको राहत मिल सकती है। एक अध्ययन में सुझाव दिया गया कि गर्म सिकाई आई फ्लू में आराम मिलता है। इससे आंखों के आसापास होने वाली सूजन भी कम होती है। इसके लिए एक कपड़े को गर्म पानी में भिगोकर धीरे से अपनी आंख पर लगाएं। पानी बहुत गर्म न हो। उपयोग किया जाने वाला कपड़ा साफ होना चाहिए।

ठंडे पानी की सिकाई

बेशक ठंडे पानी की सिकाई करने से आंखों का संक्रमण ठीक नहीं होता है लेकिन इसके लक्षणों को कम करने में जरूर मदद मिलती है। इसके लिए एक कपड़े को ठंडे पानी में भिगोकर धीरे-धीरे अपनी आंखों पर लगाएं। अपनी आंख पर जोर से न दबाएं या सीधे अपनी आंख या पलक पर बर्फ न लगाएं।

कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और यह आंखों की सूजन को कम कर सकता है। साथ ही यह जलन को कम करने में मदद कर सकता है। इसके लिए अपनी आंखों के आसपास तेल लगाएं। गर्म पानी में कपड़े को भिगोकर अपनी पलकों पर रखें। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें। जल्दी आराम पाने के लिए दिन में दो बार ऐसा करें।

मॉनसून में इम्युनिटी बनाने और मसल और बोन को मज़बूत करने के लिए क्या लें?

मॉनसून के मौसम में भारी वर्षा और नमी बैक्टीरिया और वायरस के लिए प्रजनन स्थल बनाती है। इसके परिणामस्वरूप अक्सर कमजोरी और बीमारी बढ़ जाती है। मजबूत प्रतिरक्षा के साथ मॉनसून के मौसम में किसी भी प्रकार की बीमारी पैदा करने से पहले हानिकारक रोगजनकों से लड़ना आसान होता है। कई कारणों से बरसात के मौसम में मजबूत प्रतिरक्षा बनाए रखना बहुत आसान नहीं हो सकता है। आइए इनके बारे में थोड़ा जानें। वे कारण जो हमें मानसून के दौरान मजबूत प्रतिरक्षा बनाए रखने में बाधा डालते हैं

वर्षा के कारण जमा हुआ पानी, वायरस के विकास को बढ़ावा दे रहा है। खराब स्वच्छता जिससे दूषित पानी और भोजन के संपर्क में आने का खतरा बढ़ जाता है। उच्च आर्द्रता जो बैक्टीरिया के पनपने के लिए एक आदर्श वातावरण बनाती है। विशेषज्ञों द्वारा सलाह दी जाती है कि रोजाना कसरत करें और स्वस्थ आहार लें, उचित स्वच्छता रखें और पर्याप्त नींद लें। इन सभी का अभ्यास करके आप मानसून के दौरान अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को काफी हद तक बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार, इम्यूनिटी बूस्टर आयुर्वेद उत्पाद आपको बरसात के मौसम के लिए वांछित प्रतिरक्षा प्रदान करने का सबसे अच्छा विकल्प हैं। अगर आप भी अपनी इम्यूनिटी को लेकर चिंतित हैं और बरसात के मौसम में इसे मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आगे पढ़ें।

क्या लें इम्युनिटी, मसल और बोन के लिए?

आपके शरीर को आपकी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए विटामिन और खनिजों की आवश्यकता होती है। हड्डियों का घनत्व कम होने से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, जो मामूली चोट लगने पर भी आसानी से टूट सकती हैं। अपनी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए, आप इनका सेवन करना पसंद कर सकते हैं -

अश्वगंधा

अश्वगंधा एक एडाप्टोजेनिक जड़ी बूटी है जिसका इस्तेमाल हजारों सालों से किया जा रहा है। एडाप्टोजेन्स ऐसी जड़ी-बूटियाँ हैं जो समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाते हुए शरीर को तनाव सहन करने में सहायता करती हैं। श्वेत रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाकर, अश्वगंधा प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। संक्रमण से शरीर की रक्षा की पहली परत श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं। इसके अलावा, आयुर्वेदिक अश्वगंधा टैबलेट तनाव कम करने, नींद में सुधार करने और सूजन कम करने में मदद करते हैं। यह सभी स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली में योगदान करते हैं।

कैल्शियम

कैल्शियम एक खनिज है जो आपके शरीर के समुचित कार्य के लिए महत्वपूर्ण है और आपकी हड्डियों में संग्रहीत होता है। कैल्शियम के अवशोषण के लिए, आपके शरीर को विटामिन डी की आवश्यकता होती है। अपर्याप्त कैल्शियम के सेवन से हड्डियाँ कमजोर, भंगुर हो सकती हैं जो फ्रैक्चर और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। तिलहन, ब्रोकोली, बादाम, शकरकंद, सोयाबीन और दही इस मानसून में आज़माने के लिए सबसे अच्छे कैल्शियम खाद्य पदार्थों में से कुछ हैं।

शोरबा

जब भी आपको भूख लगे तो एक कटोरा गरम गरम शोरबा पियें। शोरबा कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होता है और आसानी से पचने योग्य भी होता है। इसका मतलब है कि यह आपके शरीर को फिट और पेट को खुश रखेगा। बरसात के दिनों में एक कटोरी सब्जी या चिकन शोरबा को काली मिर्च या लहसुन से सजाकर पीना पसंद करें।

विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ

विटामिन सी आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह आपके शरीर के साथ-साथ आपकी मांसपेशियों, हड्डियों और रक्त वाहिकाओं को मजबूत रखने में मदद करता है। साथ ही, यह आयरन को अवशोषित करने में भी सहायक है। नींबू, पालक, संतरे और ब्रोकोली विटामिन सी से भरपूर कुछ बेहतरीन खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें आप इस मानसून में आज़मा सकते हैं।

गिलोय

गिलोय एक आयुर्वेद जड़ी बूटी है जिसका एक लंबा इतिहास है। यह व्यापक रूप से अपनी प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुणों के लिए जाना जाता है और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर है जो शरीर को मुक्त कणों से बचाने में मदद करता है। यह आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी ऐसे यौगिकों से भी समृद्ध है जो श्वेत रक्त कोशिकाओं के विकास को गति देने में सहायता कर सकती है। संक्रमण से निपटने के लिए श्वेत रक्त कोशिकाएं आवश्यक हैं।

सब्जी के रूप में ही फायदेमंद नहीं है बथुआ, औषधी के रूप में है ज्यादा महत्व

आप भी जरूर बथुआ को खाते होंगे, लेकिन आपको केवल यह पता होगा कि बथुआ को साग के रूप में खाया जाता है। अधिकांश लोगों को बथुआ के औषधीय गुणों के बारे में ज्यादा जानकारी ही नहीं है। क्या आपको पता है कि बथुआ एक औषधी भी है, और बथुआ खाने के फायदे कई रोगों में मिलते हैं? इसमें **विटामिन ए, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आयुर्वेदिक विद्वानों ने बथुआ को भूख बढ़ाने वाला पित्तशामक मलमूत्र को साफ और शुद्ध करने वाला माना है। यह आंखों के लिए उपयोगी तथा पेट के कीड़ों का नाश करने वाला है। यह पाचन शक्ति बढ़ाने वाला, भोजन में रुचि बढ़ाने वाला, पेट की कब्ज मिटाने वाला और स्वर (गले) को मधुर बनाने वाला है।**

सेल्स की करें मरम्मत

बथुआ अमीनो एसिड से भरपूर होता है। हमारी कोशिकाओं का एक बड़ा हिस्सा अमीनो एसिड से बना है। ऐसे में यह कोशिकाओं के कामकाज, मरम्मत और गठन में प्रमुख भूमिका निभा सकता है।दांतोंके दर्द और सूजन को करें कमअगर आपको दांत में दर्द हो रहा हो तो बथुआ के बीज का चूर्ण बनाकर दांतों पर रगड़ें। इससे दांत का दर्द तो ठीक होता ही है, साथ ही मसूड़ों की सूजन भी कम हो जाती है।बथुआ के पत्तों को उबालकर पीस लें। इसे सूजन वाले अंग पर लगाने से सूजन कम हो जाती है।कब्ज की समस्या के लिए फायदेमंदकब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए बथुआ के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। इससे कब्ज के साथ-साथ बवासीर, तिल्ली विकार, और लिवर विकारों में लाभ मिलता है।

इम्युनिटी/रोग प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाए

रोग प्रतिरक्षा शक्ति कमजोर हो जाने पर लोगों को अनेक बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए रोग प्रतिरक्षा शक्ति का मजबूत होना बहुत जरूरी है।जिन लोगों कि रोग प्रतिरक्षा शक्ति कमजोर हो, वे बथुआ के शाक (सब्जी) में सेंधा नमक मिलाकर, छाछ के साथ सेवन करें। इससे रोग से लड़ने की शक्ति (रोग प्रतिरक्षा शक्ति) मजबूत होती है।

ल्यूकोरिया रोग के लिए रामबाण

बथुआ का इस्तेमाल ल्यूकोरियामें भी लाभ पहुंचाता है। ल्यूकोरिया से पीड़ित लोग 1-2 ग्राम बथुआ के जड़ को जल या दूध में पकाएं। इसे तीन दिन तक पिएं। इससे ल्यूकोरिया में लाभ होता है।

जोड़ो के दर्द में पहुंचाए आराम

जोड़ों में होने वाले दर्द के कारण लोगों को बहुत तकलीफ झेलनी पड़ती है। शरीर के जिस अंग में तकलीफ हो रही हो, उस अंग की गतिशीलता में कमी आ जाती है।आप जोड़ों के दर्द में बथुआ का सेवन करे। इससे जोड़ों के दर्द में भी आराम मिलेगा।बथुआ के पत्ते एवं तना का काढ़ा बनाकर जोड़ों पर लगाएं। इससे जोड़ों के दर्द ठीक होते हैं।

पेट के कीड़ों से दिलाए निजात

पेट में कीड़े हो जाने पर बथुआ का उपयोग लाभ पहुंचाता है। बथुआ के रस में नमक मिलाकर पिएं। इससे पेट के कीड़े खत्म होते हैं। आपको बता दे किबथुआ के पत्ते में के रिडोल होता है, जिसका प्रयोग आंतों के कीड़े को खत्म करने के लिए भी किया जाता है। मूत्र रोग में लाभमूत्र रोग को ठीक करने के लिए बथुआ के पत्ते का रस निकाल लें। इसमें मिश्री मिलाकर पिलाने से मूत्र विकार खत्म होते हैं।

बालों को दे पोषण

चूंकि बथुआ प्रोटीन, खनिज और अन्य विटामिनों से भरपूर होता है, यह आपके बालों को जड़ों से मजबूत बनाने में मदद करता है। इससे बालों का झड़ना कम होता है, जिससे आपके बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ बनते हैं।

फुंसी, फोड़े, सूजन में उपयोगी

फुंसी, फोड़े, सूजन पर बथुए को कूटकर सौंठ और नमक मिलाकर गीले कपड़े में बांधकर कपड़े पर गीली मिट्टी लगाकर आग में सेकें। सिकने पर गर्म-गर्म बांधें। फोड़ा बैठ जाएगा या पककर शीघ्र फूट जाएगा।

पथरी

पथरी हो तो 1 गिलास कच्चे बथुए के रस में शकर मिलाकर नित्य सेवन करें तो पथरी टूटकर बाहर निकल आएगी। जुएं, लीखें हों तो बथुए को उबालकर इसके पानी से सिर धोएं तो जुएं मर जाएंगी तथा बाल साफ हो जाएंगे।

अन्य लाभ

मोच आने पर बथुआ के पत्ते को पीसकर लगाएं। इससे मोच के कारण होने वाले दर्द से आराम मिलता है। इसके अलावा खांसी होने परबथुआ के पत्तों की सब्जी बनाकर सेवन करें। इससे खांसी में आराम मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रो म्यूचुअल फंड ने पेश किया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

बेंगलुरु - ग्रो म्यूचुअल फंड ने ग्रो मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड योजना है और वह इक्विटी, डेट (ऋण), सोना, चांदी आदि में निवेश करती है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 10 सितंबर, 2025 से 24 सितंबर, 2025 तक खुला रहेगा। यह योजना निवेशकों को विविध आवंटन ढांचा प्रदान करने का प्रयास करती है जो पोर्टफोलियो की अस्थिरता को कम करने और बदलती बाज़ार परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए कई एसेट क्लास को जोड़ती है। मल्टी एसेट निवेश का आधार यह है कि विभिन्न परिसंपत्ति वर्ग (एसेट क्लास) की स्थिति बाज़ार में अलग-अलग परिस्थितियों में अलग होती है। इक्विटी को आर्थिक विकास और कॉर्पोरेट आय विस्तार से लाभ होता है। डेट के परिणाम ब्याज दर के रुझानों और मुद्रास्फीति चक्रों से प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर, सोना और चांदी अक्सर अनिश्चितता, वैश्विक जोखिम की घटनाओं या मुद्रा में उतार-चढ़ाव के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। ये कारक पूरी तरह से एक-दूसरे से जुड़े नहीं होते, इसलिए कोई भी एक परिसंपत्ति वर्ग हर समय अच्छा प्रदर्शन नहीं करता। आंकड़ों के मुताबिक बाज़ार में परिस्थितियां बदलती रहती हैं - कुछ साल के दौरान इक्विटी का बेहतर प्रदर्शन बेहतर हो सकता है, तो कुछ साल के लिए ऋण, और कुछ साल के दौरान कमोडिटी में निवेश का परिणाम अच्छा होता है। इन सबको मिलाकर बनाया गया पोर्टफोलियो बाज़ार के सभी चरणों का लाभ बेहतर ढंग से उठाने में मदद कर सकता है। आंकड़ों के मुताबिक मल्टी-एसेट* पोर्टफोलियो ने ऐतिहासिक रूप से व्यापक इक्विटी बाज़ारों के बराबर रिटर्न दिया है, वह भी बहुत कम अस्थिरता के साथ।परिसंपत्ति आवंटन को दिशा देने वाले आंकड़े। ये संकेत फंड मैनेजर को सोच-समझ कर फैसला करने में मदद करते हैं, जिसका उद्देश्य होता है पूर्वाग्रह को कम करना, जोखिमों की जल्द पहचान करना और पोर्टफोलियो प्रबंधन में सुधार करना।

किशोरों और युवाओं में डायबिटीज़ का ख़तरा बढ़ रहा है : डॉ. सुशील कुमार

बिलासपुर । डॉ. सुशील कुमार, वरिष्ठ बाल रोग कंसलटेंट, अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर ने बताया क्या किशोरों और युवाओं के लिए मधुमेह की चपेट में आने का ख़तरा बढ़ रहा है इस सवाल का जवाब है हां। इसके लिए मुख्य तौर पर ज़िम्मेदार है, बचपन में ही मोटापे की समस्या में बढ़ोतरी का रुझान। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में 5 साल से कम उम्र के 3.5 करोड़ बच्चों का वज़न सामान्य से अधिक है, जबकि 5-19 साल की उम्र के 3.9 करोड़ से ज़्यादा बच्चों और किशोरों का वज़न अधिक है और इनमें 1.6 करोड़ बच्चे मोटापे से ग्रस्त हैं। बचपन में मोटापे की समस्या बढ़ रही है जिसे पहले केवल विकसित देशों की समस्या माना जाता था। हालांकि, अब यह निम्न और मध्यम आय वाले देशों में भी बढ़ रहा है। इसकी वजह से कम उम्र के लोगों में टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस (टी2डीएम), जो कभी दुर्लभ माना जाता था, अब आम होता जा रहा है। 10 साल के एक अध्ययन से पता चला है कि 20-39 वर्ष की आयु के युवा वर्ग में टी2डीएम का प्रचलन 36प्रतिशत बढ़ गया है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि युवाओं के बीच इसके प्रसार में 120प्रतिशत की वृद्धि हुई है, साथ ही कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। मोटापा और मधुमेह का पारिवारिक इतिहास दोनों समूहों में इसके बढ़ते प्रचलन के लिए प्रमुख रूप से योगदान करता हैं। डायबिटीज़ मूलत: दो प्रकार का होता है। पहला है टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस (टी1डीएम), जो एक दीर्घकालिक ऑटोइम्यून रोग है जो अग्न्याशय (पैनक्रियाज़) को इंसुलिन बनाने से रोकता है, जिसके लिए नियमित इंसुलिन इंजेक्शन की आवश्यकता होती है। यह आमतौर पर युवा आबादी में दिखता है। दूसरा है टाइप 2 डायबिटीज (टी2डीएम), जो युवाओं और सामान्य भारतीय आबादी में बहुत अधिक हो रहा है। टाइप 2 मधुमेह में, अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता है या इंसुलिन प्रतिरोध होता है। मोटापे सहित जेनेटिक्स और जीवनशैली सम्बन्धी कारक टाइप 2 मधुमेह होने के आसार बढ़ाते है, जो जनरेशन जेड के लिए एक गंभीर स्वस्थ्य चेतावनी है।

चार ईनामी नक्सली गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर संभाग में एंटी नक्सल ऑपरेशन लगातार जारी है और फोर्स को अच्छी सफलता भी मिल रही है। इसी क्रम में डीआरजी बीजापुर, थाना बासागुड़ा, कोबरा 210 एवं सीआरपीएफ 229वीं वाहिनी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुल 5 लाख रूपये के ईनामी 4 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से विस्फोटक, बिजली तार, कार्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, पावर सोर्स बैटरी, जमीन खोदने के औजार एवं प्रतिबंधित माओवादी संगठन के शासन विरोधी प्रचार-प्रसार सामग्री बरामद की गई है। नक्सल विरोधी अभियान के तहत डीआरजी बीजापुर, थाना बासागुड़ा की पुलिस टीम, कोबरा 210वीं बटालियन एवं सीआरपीएफ229वीं बटालियन की संयुक्त टीम द्वारा एक बड़ी सफलता अर्जित की गई है।

भाजपा का जिला स्तरीय सेवा पखवाड़ा कार्यशाला सम्पन्न

नेताओं ने कार्यकर्ताओं से सेवा और समर्पण भाव से जुड़ने का किया आह्वान

मुंगेली(समय दर्शन) भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय अटल परिसर में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश स्तर से लेकर जिले तक के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की व्यापक उपस्थिति रही। प्रदेश भाजपा महामंत्री एवं पूर्व विधायक नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश मंत्री एवं सेवा पखवाड़ा जिला प्रभारी विद्या सिदार, मुंगेली विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय और जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी मंच पर उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा के ध्येय वाक्य सेवा ही संगठन के उद्घोष के साथ हुई। मंच पर पहुंचे नेताओं का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण से स्वागत किया गया। हॉल कार्यकर्ताओं से खचाखच भरा हुआ था और वातावरण में जोश एवं संगठनात्मक ऊर्जा स्पष्ट झलक रही थी।

भाजपा केवल चुनावी राजनीति नहीं करती नवीन मार्कण्डेय- कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा महामंत्री एवं पूर्व विधायक नवीन मार्कण्डेय ने कहा कि भाजपा का चरित्र अन्य राजनीतिक दलों से अलग है। भाजपा केवल चुनाव लड़ने और सत्ता प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों, गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा को ही अपना मूल ध्येय मानती है।

उन्होंने कहा कि सेवा ही संगठन का मंत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे संगठन को दिया है। इस मंत्र का उद्देश्य है कि कार्यकर्ता केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित न रहें, बल्कि जनता के बीच जाकर सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों को अपनी प्राथमिकता बनाएं।नवीन मार्कण्डेय ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा भाजपा का हर कार्यकर्ता स्वयं को समाज का सेवक माने। जब हम गांव-गांव और घर-घर तक सेवा की भावना लेकर जाएंगे, तभी संगठन मजबूत होगा और देश का भविष्य उज्जवल बनेगा।

सेवा पखवाड़ा औपचारिकता नहीं पुन्नूलाल मोहले- मुंगेली विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल औपचारिक आयोजन नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य है समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंचना, उनकी समस्याओं को सुनना और उनके समाधान का प्रयास करना।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिवस को उत्सव नहीं, बल्कि सेवा को समर्पित किया है। यही सोच भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग करती है। मोहले ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे इस पखवाड़े में समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने का संकल्प लें।

सेवा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक विद्या सिदार- प्रदेश मंत्री एवं सेवा पखवाड़ा जिला प्रभारी विद्या सिदार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ यह सेवा पखवाड़ा अब पूरे देश में सेवा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़कार्यक्रम नहीं है, बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए एक अवसर है कि वे गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा कर भाजपा की जनहितकारी छवि को और मजबूत बनाएं।उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने पंचायत या मोहल्ले में कम से कम एक सेवा कार्य का जिम्मा अवश्य लें। चाहे वह स्वच्छता अभियान हो, स्वास्थ्य शिविर हो, पोषण जागरूकता हो या गरीबों की मदद का कोई प्रयास प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कार्ययोजना प्रस्तुत दीनानाथ केशरवानी- जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने सेवा पखवाड़ा की तिथिवार रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विस्तार से बताया कि पखवाड़े के दौरान कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, पोषण जागरूकता अभियान और युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के विशेष कार्यक्रम शामिल हैं।

उन्होंने महिला शक्ति और युवाओं से अपील की कि वे इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि भाजपा तभी मजबूत होगी जब प्रत्येक कार्यकर्ता समाज में अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाएगा।

संचालन और आभार- कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री कैलाश सिंह ठाकुर और जिला उपाध्यक्ष सुनील पाठक ने किया। दोनों ने अपने उत्साहपूर्ण अंदाज से कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा।आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू ने किया, जिन्होंने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता और सेवा की भावना है।

सेवा पखवाड़ा का महत्व- सेवा पखवाड़ा भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) से गांधी जयंती (2 अक्टूबर) तक चलाया जाने वाला विशेष अभियान है। इसका उद्देश्य है समाज में सेवा और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करना। गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करना।स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर जनजागरूकता फैलाना।

संगठन को केवल राजनीति तक सीमित न रखकर जनसेवा का माध्यम बनाना।यह कार्यक्रम भाजपा की उस विचारधारा को सशक्त करता है जिसमें सेवा और राष्ट्रभक्ति को सर्वोपरि माना गया है।मुंगेली में आयोजित भाजपा की जिला स्तरीय सेवा पखवाड़ा कार्यशाला न केवल कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला साबित हुआ, बल्कि यह भी स्पष्ट कर गया कि भाजपा अपने संगठन को सेवा और समर्पण की भावना से जोड़कर आगे बढ़ा रही है।नेताओं ने जिस तरह से कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया और उन्हें समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनों में जिले के गांव-गांव तक सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रम पहुंचेंगे और जनता भाजपा की इस विशेष पहल का प्रत्यक्ष अनुभव करेगी।

एसडीओपी अमिता गुप्ता ने जांच में की लीपा पोती, पुनर जांच में वन विभाग का निकला जमीन

सारँगढ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- सारंगढ़ वन विभाग की काली करतूत उजागर हुआ है जहां एसडीओ अमिता गुप्ता की जांच पर उठ रहे कई सवाल, पुनर जांच में हुआ बड़ा खुलासा खबर का बड़ा असर 6 महीने बाद आधे एकड़ से अधिक जमीन निकला वन विभाग और शासकीय ,मामले को दबाने वन विभाग ने पूरी कोशिश की एसडीओ अमिता गुप्ता ने पूरी जांच की फाइल बनाई और कोई वन भूमि नहीं कहते मामला रफा दफा कर दिया गया लेकिन सत्य को मात नहीं दे पाई वन विभाग और फंस गई अपने ही जाल में और 6 महीने बाद पुन: जांच में आया वन विभाग की अधिकारियों का असली चेहरा दरअसल मामला 6 महीने पीछे का है ग्राम हट्टापाली में किसान योगेश पटेल ने मदन नायक की जेसीबी और ट्रैक्टर से अपनी निजी भूमि के साथ वन विभाग और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर रहे थे जिस पर वन विभाग ने पहले दबिश देकर जेसीबी ट्रैक्टर जप्त कर लगभग 3 महीने तक रखा और फिर उसे चंद रूपये मुआवजा लेकर गाड़ी छोड़ दिया गया था मामला धीरे से मिडिया तक आई खबर चला और फिर से जांच हुआ तो वन विभाग की 11 डिसमिल भूमि ,और 42 डिसमिल शासकीय ऑरेंज एरिया जांच में अतरिक्त पाया गया

कार्यवाही की फाइल रेंजर सेवक राम बैगा ने एसडीओ अमिता गुप्ता को सौंपा - जब वन विभाग स्वत: संज्ञान लेकर गाड़ी पकड़ी लेकिन कुछ महीनो बात छूट गया आपको बता दें इस संबंध में रेंजर सेवक राम बैगा ने एसडीओ अमिता गुप्ता को जांच की पूरी फाइल सौंपा था यही से उसके बाद शूरू होता है वन विभाग की भ्रष्ट कार्यवाही का फाइल आपको बता दें एसडीओ अमिता गुप्ता पहले मीडिया में बयान देते हुए कहती है कि वन विभाग जरूर पकड़ा था लेकिन वन विभाग की कोई जमीन नहीं था राजस्व एरिया होने की वजह से राजस्व विभाग मामले को भेज दिया गया था लेकिन आज जांच में वन विभाग का 11 डिसमिल जमीन निकला और इतना ही नहीं शासकीय ऑरेंज एरिया 42 डिसमिल भूमि निकला और पहले एसडीओ अमिता गुप्ता मीडिया को अपनी बयान में कहा कि कोई मोनारा नहीं तोड़ा गया और कोई ष्श्व2 नहीं तोड़ा गया लेकीन आज जांच हुआ तो ष्श्व2 8 मीटर तक तोड़कर खेत बनाया गया अब सवाल यही है कि ष्श्व2 तोड़ा गया लेकिन एसडीओ कहते कोई ष्श्व2 नहीं टूटा आखिर क्यों छुपाया गया ! इससे साफ जाहिर होता है कि एसडीओ अमिता गुप्ता ने खुद ही भ्रष्ट जांच कर मामले में लीपा पोती किया गया सूत्र की माने तो मोटी रकम से मामला दबाया गया था लेकिन पुनर जांच में सब सामने आ गया

एसडीओ वन विभाग का जज होता है जिनकी कंधों पर जंगल को बचाने और जो जंगल को नुकसान पहुंचाता हैं उसे कड़ी सजा देने का काम करता है ताकि कोई जंगल से खिलवाड़ न करे लेकिन यहां तो एसडीओ ही मामले को दबाया और सीधा रफ़्दफा कर दिया गया अगर किसी विभाग का जज ऐसा करतूत करने लगे तो उस विभाग का क्या होगा यह सबसे बड़ा सावल है इतना ही नहीं मामला 6 महीने पीछे का है लेकिन न तो वन विभाग ने अपनी 11 डिसमिल जमीन को सुरक्षित किया और ना ही 42 डिसमिल भूमि ऑरेंज एरिया को न तो वन विभाग ने और ना ही राजस्व विभाग ने सुरक्षित किया बल्कि कार्यवाही के नाम पर लीपा पोती कर गाड़ी छोड़ा दिया गया और कब्जाधारी योगेश पटेल को जमीन मानो दान में दे दिया जहां आज की जांच करने पर उसमें खेती करना पाया गया अगर मामला उजागर नहीं होता तो आज भी 53 डिस्मिल वन विभाग और शासकीय ऑरेंज एरिया की जमीन कब्जाधारी के पास ही रहता फिलहाल ऐसे अधिकारी पर तत्काल कार्यवाही होना चाहिए जिन्होने खुद के विभाग की जमीन को संरक्षित करने की बजाय मामला को रफा दफा करने में अपनी पद और पावर का स्तेमाल किया

''आदि कर्मयोगी अभियान'': ब्लाक स्तरीय प्रोसेस लैब का हुआ शुभारंभ

मुंगेली(समय दर्शन)जनजातीय क्षेत्रों में सेवा संकल्प और समर्पण के प्रेरक आदर्शों के साथ जनजाति समुदायों को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने ''आदि कर्मयोगी अभियान'' की शुरूआत की गई है। अभियान के तहत कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में मुंगेली विकासखण्ड के अधिकारियों को जनपद पंचायत कार्यालय मुंगेली में दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय प्रोसेस लैब का शुभारंभ किया गया।

आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त महेन्द्र खाण्डेकर ने बताया कि यह कार्यक्रम 09 सितम्बर तक आयोजित होगी। इसका उद्देश्य जनजातीय समाज के विकास से जुड़े स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य योजनाओं की समग्र पहुँच सुनिश्चित करना है। जनपद पंचायत सीईओ राकेश साहू ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागी ब्लॉक स्तरीय टीमें सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों के विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगी, जिससे इन गाँवों का सतत विकास सुनिश्चित हो सके। मास्टर ट्रेनर सुनील राठौर एवं डॉ. मनीष बंजारा ने बताया कि इस कार्यशाला से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे क्षेत्रों में व्यापक बदलाव आएगा। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।

शिक्षक समाज के लिए कभी सेवानिवृत नहीं होते हैं : गगन जयपुरिया

बिर्रा (समय दर्शन)। एक शिक्षक समाज के लिए कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं। शिक्षक के बिना सभ्य समाज का परिकल्पना नहीं किया जा सकता है।

उक्त बातें प्रबुद्ध भारती बिर्रा, जिला जांजगीर चांपा के तत्वाधान में 7 सितंबर दिन रविवार को आयोजित आचार्य चाणक्य सभागार बिर्रा में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में जिला पंचायत शिक्षा स्थायी समिति के अध्यक्ष एवं जिला पंचायत जांजगीर चांपा के जिला उपाध्यक्ष गंगन जयपुरिया सभापति ने मुख्य अतिथि की आंसदी से विशाल शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा । जिला पंचायत जांजगीर चांपा के शिक्षा स्थायी समिति अध्यक्ष गगन जयपुरिया ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि शिक्षक वह व्यक्ति होता है जो ज्ञान कौशल और गुणों को प्रदान करके दूसरो को सीखने में मदद करता है। इसके साथ ही यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसका पेशा दूसरो को विशेषकर बच्चों को सिखाना होता है। शिक्षक ज्ञान का प्रसार प्रचार करता है। शिक्षक अपने शिष्य या समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। इसके साथ ही शिक्षक समाज में दीपक की तरह प्रज्वलित होकर समाज को प्रकाशमान बनाता है। सही गलत का मार्ग दिखाता है और शिष्य के भविष्य को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक या गुरु का कर्ज समाज कभी भी उतार नहीं सकता है। मैं प्रबुद्ध भारती को ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए हृदय से बधाई एवं धन्यवाद देता हूं। विशिष्ट अतिथि के रूप में भागवत वक्ता पंडित गीता प्रसाद तिवारी ने कहा कि शिक्षक मार्गदर्शन होता है। समाज को दिशा एवं दशा निर्धारण करने का कर्तव्य शिक्षक का ही होता है। उसके गोद में प्रलय और सृजन दोनों खेलते हैं। समाज में गुरु का सर्वोच्च महत्व है उन्होंने गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ बताएं। वही कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि हरिराम जायसवाल ने बताया कि शिक्षक का जीवन समय पर बंधा होता है। शिक्षक अपने जीवन में एक आदर्श पुरुष होता है। आजाद पंछी की तरह किसी भी क्षेत्र में कार्य करने के लिए स्वतंत्र है। इसलिए उनकी सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। जयसवाल जी ने शिक्षक के महत्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। इसके साथ ही शिक्षकों के पीड़ा के बारे में समाज और उपस्थित लोगों को बताया। सभी वर्तमान एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने के साथ ही बधाई एवं शुभकामना दिए। प्रबुद्ध भारती ग्राम बिर्रा के इस सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता एफ एल साहू प्रभारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एफ एल साहू ने कहा कि शिक्षक एक आदर्श होता है। जो अपने गुणों के कारण पूजे जाते हैं। इस प्रकार से सम्मान कार्यक्रम समाज के द्वारा होते रहना चाहिए।

इसके अतिरिक्त वहां पर उपस्थित कई अतिथियों ने भी अपना-अपना विचार व्यक्त किया। इसके पूर्व में सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा वीड़ा दायनी मां सरस्वती और महान शिक्षक एवं भूतपूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन की छायाचित्र पर पूजन, अर्चनाकर श्रीफल तोड़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद प्रबुद्ध भारती ग्राम बिर्रा जिला जांजगीर चांपा के पदाधिकारी बुद्धेश्वर प्रसाद कश्यप, तुलेश्वर देवांगन,मनीष वैष्णव और पीतांबर कश्यप आदि के द्वारा सभी अतिथियों का फूल माला एवं श्रीफल से स्वागत किया गया। तत्पश्चात तत्कालीन प्रधान पाठक स्व एफएल त्रिवेदी का शिक्षक एल आर कश्यप को, तत्कालीन बीईओ मनीराम कुभ्भकार का सम्मान महाराम कश्यप शिक्षक को, स्व शिक्षक बाबूलाल देवांगन का सम्मान रामशंकर कश्यप को ,वरिष्ठ पत्रकार टी के दुबे का सम्मान डी एन देवांगन हरिभूमि के पत्रकार को श्रीफल शाल मेमोटो गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया।

वहीं विशिष्ट योग्यता का सम्मान प्राचार्य खीकराम कश्यप गुरु घासीदास संगीत महाविद्यालय हसौद, संगीत गुरु श्रवण कुमार थवाईत, नवाचार शिक्षक अरुण कुमार देवांगन भटगांव, शिक्षा विशेष योग्यता बुद्धेश्वर कश्यप को श्रीफल शाल मेमोटो गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसी तरह सेवानिवृत्त शिक्षक 2025 मे मनोहर लाल ड़ड़सेना प्रधान पाठक शा प्रा शाला करनौद, नारायण प्रसाद साहू प्रधान पाठक, खिलावन प्रसाद दुबे प्रा शाला, बी एल चंद्राकर व्याख्याता भंटगाव, सारधाराम ड़ड़सेना प्रधान पाठक प्रा शाला सोनाइडीह आदि को भी श्रीफल शाल पेन डायरी मेमेटो से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में जैन कश्यप के द्वारा गुरु वंदना गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद कुमारी सृष्टि कश्यप के द्वारा सरस्वती वंदना गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात संगीत महाविद्यालय के शिष्य श्री प्रवीण तिवारी ने स्वागत गीत गया, इसके अतिरिक्त राग भैरव संगीत से समां बांधा। कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज तिवारी संचालक शारदा संगीत विद्यालय बिर्रा ने किया। अंत में आभार प्रर्दशन लिपिक मोहन कश्यप ने किया। इस अवसर पर श्रवण कश्यप, निलाम्बर सिह, रोहन कश्यप ,अभिराम कश्यप, रामकिशोर देवांगन, अमृतलाल पटेल, हेतराम साहू,अरुण कश्यप ,उत्तम साहू, भोला देवांगन, शत्रुघन कश्यप, कमल कुर्रे, तीजराम कश्यप, मनीष वैष्णव, तुलेश्वर देवांगन, बुद्धेश्वर कश्यप, पिताम्बर कश्यप, नेतराम कश्यप, रामकुमार शुक्ला के अलावा भारी संख्या में ग्रामीण जन शामिल थे।

खबर-खास

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय गरियाबंद में विधिक साक्षरता शिविर का सफलतापूर्वक हुआ आयोजन

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,रायपुर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देशानुसार आज कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय गरियाबंद में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।उक्त शिविर में बालिकाओं को मौलिक कर्तव्य सूचना प्रौद्योगिकी,मोटरयान अधिनियम, घरेलू हिंसा,नशामुक्ति अभियान एवं अन्य विधिक संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच-बेड टच, चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर-1098, महिला हेल्पलाईन नंबर-1091, नालसा हेल्पलाईन नंबर-15100 की जानकारी भी बालिकाओं को दी गई। उक्त विधिक साक्षरता शिविर में तालुका विधिक सेवा समिति, गरियाबंद के अध्यक्ष यशवंत वासनीकर,जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश,गरियाबंद बी.आर.साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही।उक्त शिविर को सफल बनाने में पैरालीगल वालेटिंयर एवं अधीक्षिका कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय गरियाबंद कालेन्द्री मरकाम का विशेष योगदान रहा।

अनिश्चितकालीन हड़ताल के 23वें दिन एनएचएम कार्मिकों ने किया जल सत्याग्रह, जमकर नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया

गरियाबंद। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा अधिकारी-कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर पिछले 23 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे हुए हैं।लेकिन सरकार की खामोशी से नाराज होकर मंगलवार को उन्होंने आंदोलन को और तेज करते हुए जल सत्याग्रह का सहारा लिया। मंगलवार दोपहर गरियाबंद जिला मुख्यालय स्थित चिन्ह तालाब में जिलेभर से पहुंचे एनएचएम पदाधिकारी और कर्मचारियों ने पानी में उतरकर कई घंटे खड़े रहे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी कर अपनी मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया।उन्होंने राज्य शासन होश में आए, दमनकारी नीति नहीं चलेगी, दमन के आगे नहीं झुकेंगे,श्याम बिहारी जायसवाल होश में आओ जैसे नारे लगाए।कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से सेवा शर्तों में सुधार,नियमितीकरण, वेतनमान और अन्य सुविधाओं की मांग कर रहे हैं, लेकिन 23 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया। जल सत्याग्रह में शामिल पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर तत्काल पहल नहीं की गई तो आंदोलन और उग्र होगा।उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा और मरीजों की सेवा को ध्यान में रखकर अब तक संयम बरता गया, लेकिन सरकार की चुप्पी ने उन्हें कठोर कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है।

जनसुनवाई से पहले आपत्ति दर्ज , आसपास के ग्राम पंचायतों ने कलेक्टर को लिखित आपत्ति आवेदन किया

लालाधुरवा, गुडेली, कपिसदा, बंजारी व अन्य सरपंचों ने खदान को निरस्त करने की मांग

सारँगढ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- सारँगढ बिलाईगढ़ जिले में लगभग 500 एकड़ जमीन का खदान खुलने की तैयारी चल रही है रायगढ़ पर्यावरण विभाग द्वारा 24 सिप्टेम्बर को जन सुनवाई करने का आदेश जारी कर दिया गया है जैसे ही जनसुनवाई की जानकारी आसपास और लालाधुरवा ग्राम पंचायत के लोगो को मिली है तबसे शासन प्रशासन से निवेदन आवेदन कर रहे है ग्रामीणों द्वारा अभी से लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे तो जन सुनवाई कहा तक उचित है ,,किसानों काफी आक्रोशित है किसी भी कीमत में जमीन नही देंगे क्योंकि आने वाले समय मे जीवन बर्बाद हो जाएगा हमारा गाँव उजाड़ जाएगा ,सैकड़ो ग्रामीणों व किसानों और सरपंचों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौपा जिसमे
आपके कार्यालय द्वारा जारी किये गये पत्र क्रमांक 1522/अ.वि.अ./ वाचक-4/2025 दिनांक 23/07/2025 के अधोहस्ताक्षरकर्तागण / भूमि स्वामीगण/कृषकगण के द्वारा निम्न अनुसार आपत्ति प्रस्तुत किया जा रहा है।

1.यह कि ग्राम लालधुरवा, ग्राम धौराभांठा, ग्राम जोगनीपाली, ग्राम सरसरा एवं कपिस्दा के कुल रकबा 200.209 हे0 के संबंध में खनन कार्य हेतु अनुमती नहीं दी जा सकती है और उपरोक्त कृषि भूमि के संबंध में खनन कार्य हेतु मेसर्स ग्रीन संस्टेनेबल मेनुफैक्चरींग प्राईवेट लिमिटेड के पक्ष में भू अर्जन की कार्यवाही किया जाना अनुचित होगा।

2 यह कि उपरोक्त समस्त ग्राम लालधुरवा, ग्राम धौराभांठा, ग्राम जोगनीपाली, ग्राम सरसरा एवं कपिस्दा की कूल रकबा 200.209 हे0 सिंचित कृषि भूमि है, जिसमें महानदी एवं लात नाला के पानी से सिंचाई कार्य किया जाता है और कृषकगण के द्वारा धान, मुंगफल्ली, उड़द आदि का उत्पादन किया जाता है. जो उनके और उनके परिवार का एकमात्र साधन है। भूमि अधिग्रहण से उपरोक्त भूमि के भूमिस्वामी का जीविकोपार्जन प्रभावित होगा।

3.यह कि मेसर्स ग्रीन संस्टेनेवल मैनुफैक्चरीग प्राईवेट लिमिटेड निजी कंपनी है, जिसके द्वारा खनन कार्य के लिए भूमि अर्जन किया जाना प्रस्तावित किया जा रहा है। भूअर्जन अधिनियम के अनुसार सार्वजनिक कार्य के लिए भूअर्जन नहीं होने के कारण नियमानुसार भूअर्जन की कार्यवाही नही की जा सकती है। विषयांकित एवं संदर्भित पत्र भूमि अधिग्रहण हेतु निर्धारित किये गये विधि एवं नियमों के विपरीत हैं. इस कारण उन्हें प्रस्तुत आपत्ति प्राप्त करने के पश्चात निरस्त किया जावे।

4.यह कि भू अर्जन अधिकारी के द्वारा विषयांकित तथा छ0ग0 शासन एवं कलेक्टर के द्वारा संदर्भित पत्र के अनुसार की जा रही कार्यवाही पूर्णत: अवैधानिक है तथा संबंधित / प्रभावित भूमिस्वामीगण के हित में नहीं होनें एवं संपत्ति के सुरक्षा एवं उपयोग के मूल भूत अधिकार के हनन व प्रभावित करने के कारण तत्काल प्रभाव से विषयांकित एवं संदर्भित पत्र निरस्त किये जानें योग्य है।

यह कि ग्राम लालधुरवा, ग्राम धौराभांठा, ग्राम जोगनीपाली, ग्राम सरसरा एवं कपिस्दा के पंचायत एवं ग्राम सभा के द्वारा जनहित में भूअर्जन की कार्यवाही नहीं किये जानें का प्रस्ताव किया गया है तथा ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा के अनुमती के बिना भू:अर्जन की कार्यवाही नहीं की जा सकती है।

यह कि राज्य सरकार/राज्य शासन के द्वारा निजी संस्था अथवा कंपनी के लाभ के लिए भूअर्जन नहीं किया जा सकता है। मेसर्स ग्रीन संस्टेनेबल मैनुफैक्चरीग प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा अपने धनबल एवं प्रभाव का अनुचित उपयोग करते हुए तथा अपने राजनैतिक पहुंच का धनबल के आधार पर दुरुपयोग करते हुए राज्य शासन से खनन हेतु छ0ग0 शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पत्र क्रमांक 2801/2024/सात-1 दिनांक 14/10/2024 जारी करा लिया गया है, यह कार्य भ्रष्ट आचरण से युक्त होने के कारण भूअर्जन की प्रस्तावित कार्य स्थगित किया जाकर विषयांकित एवं संदर्भित पत्रों को निरस्त करने की कृपा करें।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित हुए सौरभ श्रीवास्तव

कवर्धा (समय दर्शन)। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सौरभ श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित किया। सौरभ शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बड़ौदा कला में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं। स्वामी आत्मानंद विद्यालय में जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सौरभ श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित किया। शिक्षक श्री श्रीवास्तव बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु लगातार प्रयास में जुटे रहते हैं। विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी पर्यावरण शिक्षा, मंच संचालन, ड्रॉप आउट, बच्चों को शाला से जोड़ना एवं शिक्षण अधिगम को सरल बनाने के लिए सतत प्रयास किया। बैग लेस डे में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन से उनकी अमिट छाप बनी हुई है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, कवर्धा, बोड़ला, पंडरिया, सहसपुर लोहारा के चारों विकास खंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं जिले के शिक्षक गण उपस्थित थे। इस सफलता पर संकुल प्राचार्य टिकेश्वर साहू, विद्यालय के समस्त स्टॉफ ममता साहू, सम्बल सिंह मरकाम, सहित संकुल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

ध्वनि प्रदूषण के मामलों पर करें सख्त कार्यवाही - कलेक्टर उइके

आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड बनाने के लिए चलाए वृहद अभियान

समितियों में खाद-बीज की निरंतर आपूर्ति करें सुनिश्चित

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उईके ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली।उन्होंने विभिन्न विभागों में समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों को तय सीमा के बाहर संचालित करने पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश पूर्व में प्रसारित किये गए थे। इसी तारतम्य में जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों, साउंड बॉक्स एवं डीजे आदि पर नियमानुसार सख्ती के साथ कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण करने वाले संयंत्रों पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर निरंतर निगरानी करते हुए आवश्यक कार्यवाही करे। कलेक्टर श्री उइके ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए वर्तमान में संचालित योजनाओं की प्रगति एवं आयुष्मान कार्ड तथा वय वंदना कार्ड निर्माण की स्थिति की भी जानकारी ली।उन्होंने शत-प्रतिशत लोगों को स्वास्थ्य कार्ड से लाभान्वित करने आयुष्मान कार्ड बनाने विशेष शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिये। साथ ही 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित करने वय वंदना कार्ड निर्माण के लिए भी विशेष अभियान चलाने की भी निर्देश दिये। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग सहित महिला एवं बाल विकास विभाग,शिक्षा,पंचायत विभाग एवं स्व-सहायता समूह के सदस्यों का आवश्यक समन्वय कर कार्ययोजना बनाने को कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर,अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत,नवीन भगत,पंकज डाहिरे,सभी एसडीएम,जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में खरीफ सीजन में जिले में चल रहे खेती-किसानी की जानकारी ली। उन्होंने वर्षा की स्थिति सहित समितियों में खाद-बीज के भण्डारण एवं वितरण की भी जानकारी ली। इसके अलावा निजी दुकानों में खाद-बीज एवं दवाई निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत में बेचने पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज की भण्डारण सुनिश्चित की जाये। साथ ही किसानों को वितरण की भी सभी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जाये। कलेक्टर ने बैठक में स्कूल,आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में जल जीवन मिशन के तहत नल-जल कनेक्शन प्रदाय के वर्तमान स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने बचे हुए कार्यो की जानकारी लेते हुए प्रगतिरत कार्यो को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में पीएम किसान योजना के तहत ई-केवायसी एवं आधार सिडिंग की भी समीक्षा की।साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत हितग्राहियों का पंजीयन एवं फसल क्षति के प्रकरणों में क्षतिपूर्ति आबंटन के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रगतिरत कार्यो को पूर्ण करने को कहा।

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क. ब/121 वर्ष 2024-25
ग्राम- गोरखवपुर प.ह.नं. 10
// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामलाल पिता चुरावन सतनामी निवासी ग्राम सिरवाबांधा पोस्ट तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा अपनी पत्नि जानकी बाई के जन्म प्रमाण पत्र न्यायालयीन कार्य हेतु आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा, शपथ पत्र, अनुसार आवेदक के पत्नि जानकी बाई के जन्म तिथि 03/01/1975 को ग्राम गोरखपुर में होना लेख किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 04/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक-10/09/2025

तहसीलदार
पिपरिया

मुहर

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क. ब/121 वर्ष 2024-25
ग्राम पालीगुढ़ा प.ह.नं. 02
// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फगूराम पटेल पिता बल्लू पटेल निवासी ग्राम पालीगुढ़ा तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने पिता बल्लू पिता थकेल पटेल के मृत्यु प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा शपथ पत्र अनुसार आवेदक के पिता बल्लू पटेल के मृत्यु तिथि 21/11/2020 को ग्राम पालीगुढ़ा में होना लेख किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 29/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक-10/09/2025

तहसीलदार
पिपरिया

मुहर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

दुर्ग, दिनांक 02.09.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 17.09.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
184/174772	उपसंभाग पाटन के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू, वार्षिक मरम्मत एवं साधारण मरम्मत के कार्य	50.00
185/174773	जिला दुर्ग (वि.,ख. धमधा) के अंतर्गत ग्राम मलपुरीकला में शास. हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य	67.00
186/174774	उपभाग क्र. 03 दुर्ग के अंतर्गत शास. हाई स्कूल भवन केम्प 02 भिलाई का निर्माण कार्य	67.05
187/174775	लोक निर्माण विभाग, बालोद संभाग बालोद के अंतर्गत नये संभागीय कार्यालय भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	174.71
188/174776	लोक निर्माण विभाग, अनु. क्र 02 बालोद के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत एवं लघुमूल गौण कार्य	22.00
189/174777	नवीन जिला खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई के जिला पशुधन विकाय कार्यालय भवन का निर्माण कार्य	62.95
190/174778	रानीतराई (वि.ख.राजनांदगांव) में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य	67.77
191/174779	लोक निर्माण विभाग, संभाग कवर्धा के अंतर्गत उपसंभाग कवर्धा एवं बोड़ला के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों के रंगाई पोताई का कार्य	30.00

टीप :- 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष 0788-2210876

G-252603297/2

यूरिया खाद की कमी के बीच कृषि विभाग की छापामार कार्रवाई तेज

बिलासपुर। जिले के तखतपुर क्षेत्र में यूरिया खाद की लगातार कमी के चलते कृषि विभाग सक्रिय हो गया है। सोमवार को राज्य स्तरीय टीम ने जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के साथ मिलकर नगर के कई खाद एवं कृषि सेवा केंद्रों पर छापे मारे।

इस कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मच गया है और कई दुकानदारों में डर का माहौल देखा गया।

राज्य संचालनालय की टीम का नेतृत्व कर रहे चिरंजीव सरकार ने नगर के संकट मोचन खाद भंडार में जांच की। वहां बिना एफएसीओ प्रमाणपत्र के कीटनाशक दवाइयां बिकती पाई गईं। इस पर दुकान संचालक को संबंधित कंपनी से लाइसेंस प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार सरायपाली, जिला - महासमुन्द (छ.ग.)

// उपस्थिति हेतु सूचना //
पत्र क्रमांक 1991
रा.प्र.क्र. 202509123800007 ब-121 वर्ष 2024-25
ग्राम- बैतारी तहसील सरायपाली

पक्षकार-
1. जयप्रकाश पिता कुंजबिहारी जाति कोलता
2. हृदयानंद पिता स्व. चक्रवती जाति कोलता
3. दुखीश्याम पिता स्व. लम्बोदर जाति कोलता
4. लखपति पिता स्व. अनिरूद्ध जाति कोलता
5. उत्तर पिता अनिरूद्ध जाति कोलता

प्रति,
1. भुवन पिता रूषी निवासी ग्राम बैतारी प.ह.नं. 36 तहसील सरायपाली जिला महासमुंद (छ.ग.)

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में आवेदकगण जयप्रकाश पिता कुंजबिहारी एवं अन्य 04 सभी निवासी एवं कास्तकार ग्राम बैतारी प.ह.नं. 36 तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा ग्राम बैतारी में स्थित भूमि खसरा नंबर 741 रकबा 0.68 हे. भूमि पूर्व में आवेदकगण के पूर्वजों के नाम पर एक पृथक खाता पर शामिल रूप से दर्ज होकर स्थित रही है। उक्त भूमि का अन्य भूमियों के साथ पूर्वजों के मध्य आपसी बटवारा हो चूका है तथा सभी व्यक्तियों का पृथक-पृथक कब्जा के आधार पर आपसी बटवारा होकर अलग-अलग खाता बन चूका है। त्रुटिवश उक्त खता में स्थित भूमि ख.नं. 741 रकबा 0.68 हे. आवेदकगण के नाम पर न होकर भुवन पिता रूषी के नाम पर दर्ज हो गया है जबकि भुवन पिता रूषी नाम का व्यक्ति ग्राम बैतारी में निवासरत नहीं है न ही उक्त ख.न. का वास्तविक कब्जेदार व्यक्ति है। अतः उक्त खसरा नंबर 741 रकबा 0.68 हे. को आवेदकगण पर वास्तविक कब्जेदार तथा सहखातेदार आवेदकगण ही है इसलिए वर्तमान में अभिलिखित गलत व्यक्ति भुवन पिता रूषी के नाम को विलोपित कर उसके स्थान पर वास्तविक कब्जेदारों अर्थात आवेदकगण के नाम पर दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

इस न्यायालय के उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 17/09/2025 को नियत किया गया है। जिसमें आप अपना पक्ष रखने के लिये स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार सरायपाली में उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते है। उक्त तिथि में उपस्थित नहीं होने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जा सकती है।

तद्नुसार आज दिनांक 04/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
सरायपाली

मुहर

कार्यालय, नगरपालिक निगम चिरमिरी मानवीय नगर, वेस्ट चिरमिरी, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

Phone/Fax -07771-263214, 263213
E-mail :- nagarnigam_chirimiri@yahoo.com
Website :- nagarnigamchirimiri.in

क्रमांक/2086/वाहन/न.पा.नि0/2025 चिरमिरी, दिनाँक 0.8./09./2025

// निविदा आमंत्रण सूचना //

कार्यालय नगर पालिक निगम चिरमिरी द्वारा अस्थाई रूप से प्राइवेट वाहन किराए पर लिए जाने हेतु हेतु एजेंसियों/एजेंटो/फर्मो/ठेकेदार/सप्लायरों से निविदा प्रपत्र 'ब' में त्रि-लिफाफा पद्धति में निविदायें प्रपत्र स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी अंतिम तिथि... तक है, निर्धारित तिथि में प्राप्त निविदायें निगम कार्यालय में उपस्थित निविदाकारों/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी।

क्रं.	कार्य का विवरण	मात्रा	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (F.D.R.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.)
1.	अस्थाई रूप से प्राइवेट वाहन प्रदाय कार्य (2022 उपरांत) (वाहन कम्पनी)महिन्द्रा XUV 300, महिन्द्रा बोलेरो, टाटा जेस्ट, मारुति स्विफ्ट डिजायर, होंडा अमेज	01 नग	5.00 लाख	15000.00	750.00

नोट:-
1. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं शर्ते निविदा से एक दिवस पूर्व तक कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकेगी।
2. निविदा से संबंधित जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र NAGARNIGAMCHIRMIRI.COM से प्राप्त किए जा सकते है।

सहायक अभियंता
नगर पालिक निगम चिरमिरी
जिला-एम.सी.बी.(छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

शारदीय नवरात्र को लेकर शक्तिधाम में बैठक सम्पन्न

राजनांदगांव। आगामी शारदीय नवरात्र पर्व को लेकर शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति द्वारा महाकाली मंदिर, बाबूटोला वार्ड क्रमांक-1 में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के संरक्षक गुरुदेव हरीश यादव के मार्गदर्शन में नवरात्र पर्व की रूपरेखा तय की गई। समिति अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 22 सितंबर से शारदीय नवरात्र आरंभ होगा। 21 सितंबर को बिरही भिगोने की परंपरा निभाई जाएगी और 22 सितंबर को घट स्थापना व ज्योति प्रज्वलन के साथ विधिवत् नवरात्र की शुरुआत होगी। समिति के संरक्षक गुरुदेव हरीश यादव ने जानकारी दी कि पंचांग अनुसार इस वर्ष चौथ तिथि दो दिन की होने के कारण पंचमी 27 सितंबर को मनाई जाएगी। इस दिन मां महाकाली का विशेष श्रृंगार किया जाएगा और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों सहित 56 प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे। रात्रि में भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय भजन मंडलियों के साथ श्रद्धालु भक्तजन शामिल होंगे। कार्यक्रम के अनुसार, 30 सितंबर को अष्टमी के दिन दोपहर 3 बजे से हवन आयोजित होगा। हवन उपरांत नि:संतान दंपतियों के लिए विशेष अर्जी श्रीफल व भभूति का वितरण किया जाएगा, जिससे वे माता से संतान प्राप्ति की कामना कर सकें। वहीं 1 अक्टूबर को नवमी तिथि पर संध्या 6 बजे सेवा भजन के साथ विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। गुरुदेव हरीश यादव ने बताया कि इस वर्ष भी मंदिर में मनोकामना ज्योति जलाने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए समिति द्वारा व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने की योजना तैयार कर ली गई है।

अग्निवीर में लिखित परीक्षा में चयनित युवाओं की शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण प्रारंभ

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने चयनित युवाओं का बढ़ाया मनोबल, अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा में जिले के 866 अभ्यर्थियों हुए है चयनित

जांजगीर-चांपा/ अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा में जिले के 866 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा युवाओं को नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आगामी भर्ती रैली की तैयारी के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को खोखरा पुलिस लाइन ग्राउंड पहुंचकर कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय पांडेय ने अग्निवीर परीक्षा में सफल हुए परीक्षार्थियों से मुलाकात की। युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल रोजगार का नहीं, बल्कि देश सेवा का मार्ग है। उन्होंने अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि यह शुरुआत है, अंतिम पड़ाव तक पहुंचने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। जिले का नाम रोशन करने के साथ-साथ देश की सेवा करने का यह सुनहरा अवसर है। अग्निवीर भर्ती केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि देशभक्ति की भावना को जीवित रखने का मार्ग भी है। लिखित परीक्षा में सफलता के बाद अब आपको शारीरिक दक्षता परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक सुविधाएं व प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय ने कहा कि अग्निवीर भर्ती न केवल युवाओं को राष्ट्र सेवा का अवसर देती है। आज का युवा नशे जैसी प्रवृत्तियों की ओर बढ़ रहा है, किंतु आपने जो राह चुनी है, वह देश सेवा और आत्मसम्मान की राह है। आप सभी को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन मिलकर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देगा। टीमवर्क के साथ आप फिजिकल परीक्षा में भी सफलता प्राप्त करेंगे और जिले का मान बढ़ाएंगे। इस अवसर पर एडिशनल एसपी श्री उमेश कश्यप, एसडीएम श्री सुब्रत प्रधान, रक्षित निरीक्षक श्री प्रदीप जोशी सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी एवं मास्टर ट्रेनर भी मौजूद रहे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जगमगाया ओमप्रकाश साहू का घर, बिजली बिल की चिंता खत्म

दुर्ग(समय दर्शन)। दुर्ग जिले के रसमड़ा गाँव में रहने वाले ओमप्रकाश साहू ने सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घर को रोशन कर दिया है। अब उनके घर का बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है और वे बिजली के भारी-भरकम खर्च से लगभग पूरी तरह से मुक्त हो चुके हैं।

पहले की परेशानी, अब की मुस्कान-- श्री साहू ने बताया कि पहले बिजली बिल उनकी मासिक बजट का एक बड़ा हिस्सा हुआ करता था। लेकिन अब, जब से उन्होंने अपने घर पर सोलर पैनल लगवाया है, उनका बिजली बिल लगभग खत्म हो गया है, जिससे उनके चेहरे पर राहत की मुस्कान है। उन्होंने 3 किलोवॉट का टाटा सोलर ऑन-ग्रिड सिस्टम लगवाया है। सिस्टम लगवाने के लिए श्री साहू को सरकार से 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने अभी 20 हजार रूपए लगाए है और बाकि पैसे किश्तों में दे रहे हैं। सोलर पैनल से उनके घर को निर्बाध सौर ऊर्जा मिल रही है।

भविष्य की योजनाएं- इस योजना से मिली बचत से श्री साहू बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया जो पैसे पहले बिजली बिल में खर्च होते थे, उन्हें अब वे अपने और अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए उपयोग कर रहे हैं। इस योजना के लिए उन्होंने केन्द्र तथा राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा सौर उर्जा प्राकृतिक संसाधनों की कमी के इस दौर में सतत् ऊर्जा का एक उत्तम माध्यम है।

जिले के 35 दुकानों का उर्वरक प्राधिकार पत्र 15 दिवस के लिए निलंबित

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुन्द कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले के कृषकों को अच्छी गुणवत्ता की आदान सामग्री मिल सके इस हेतु सतत रूप से जिला स्तरीय निरीक्षण दल एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा लगातार कृषि आदान केन्द्रों/विक्रय स्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। उपसंचालक कृषि एफ आर. कश्यप ने बताया कि 01 अप्रैल 2025 खरीफ मौसम प्रारंभ से आज की स्थिति में 90 दुकानों का निरीक्षण किया जा चुका है, जिसमें 55 दुकानों को उर्वरक नियंत्रण आदेश का पालन नहीं करने के फलस्वरूप कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। जिसमें 35 दुकानों का जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर उनका उर्वरक प्राधिकार पत्र 15 दिवस के लिए निलंबित किया गया। उक्त दुकानो में मेसर्स गुलशन कृषि केन्द्र झलप शिव कृषि केन्द्र पासिद, मोनू कृषि केन्द्र तुमगांव, भानू फर्टिलाइजर महासमुंद, बीना एग्रोटेक झलप, आनंद एग्रो एंड सर्विसेज तुमगांव, अमूल्या खाद भंडार झलप, ओम भवानी कृषि केन्द्र

तुसदा, जय मां भीमेश्वरी सुनसुनिया, गीतांजली बीज भंडार तेन्दुकोना, श्रीहरि कृषि केन्द्र बागबाहरा, शिवम बीज भंडार बागबाहरा श्री गणेश कृषि केंद्र बागबाहरा, आर.एस. ट्रेडर्स बागबाहरा, मनीष कृषि सेवा केन्द्र झगरेनडीह, पटेल कृषि सेवा केन्द्र मेमरा, जय किसान ट्रेडर्स लाखागढ़, शुभम कृषि सेवा केन्द्र कौहाकुड़ा, कुलदीप कृषि सेवा केन्द्र पिथौरा, शिवम कृषि सेवा केन्द्र पिथौरा, राज कृषि सेवा केन्द्र भगतदेवरी, खत्री ट्रेडर्स सांकरा, बजरंग कृषि सेवा केन्द्र सांकरा, महेश ट्रेडिंग कंपनी बसना, कंसल खाद भंडार बसना, सिंधु कृषि सेवा केन्द्र बंसुला, प्रेम कृषि सेवा केन्द्र सागरपाली, सृष्टि इंटरप्राईजेस भूकेल, पटेल कृषि सेवा केन्द्र सरायपाली, कृषि दुनिया सरायपाली, प्रधान कृषि सेवा केन्द्र सरायपाली, ओम फर्टिलाईजर सरायपाली, अग्रवाल ट्रेडर्स सरायपाली, राजेश अग्रवाल सरायपाली एवं सरायपाली स्वाभिमान महिला प्रोड्यूसर कंपनी सरायपाली सम्मिलित है। इसके अलावा खत्री बीज भंडार सांकरा के द्वारा बगैर पी.सी. के बीज क्रय करने पर संबंधित फर्म के बीज के विक्रय पर 21 दिवस के लिये प्रतिबंध लगाया गया है। इसी प्रकार बसना विकासखंड के समलेश्वरी कृषि सेवा केन्द्र के द्वारा अवैध 57 बोरी डी.ए.पी. रखने पर जप्ती बनाकर राजसात की कार्यवाही की गई है। मेसर्स लक्ष्मी कृषि सेवा केन्द्र खट्टी में अमानक डी.ए.पी. उर्वरक पाये जाने के फलस्वरूप डी.ए.पी. के विक्रय पर 21 दिवस के लिए प्रतिबंध लगाया गया है, एवं राजसात की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। मेसर्स राजेश अग्रवाल सरायपाली के प्रतिष्ठान से 220 बोरा यूरिया किसानों को सरकारी दर पर उपलब्ध कराया गया एवं मेसर्स ओम फर्टिलाइजर सरायपाली के प्रतिष्ठान से 270 बोरी यूरिया सरकारी दर पर किसानों को उपलब्ध कराया गया। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना एवं सरायपाली तथा कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा भी विकासखंड के निजी विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया गया एवं दुकानदारों को सही कीमत पर उर्वरक बेचने एवं पी.ओ.एस. मशीन के द्वारा बेचने के निर्देश दिए गए। खरीफ मौसम में लगातार यह कार्यवाही जारी रहेगी, कृषकों से अपील की गई है कि वे संबंधित फर्म से बिल लेकर ही आदान सामग्री का क्रय करें।

संभाग स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता बोलिंग मे संपन्न

महासमुंद (समय दर्शन)। संभाग स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग की संयोजकता में बालक वर्ग 14,17,19 वर्ष में आयोजित बेसबॉल प्रतियोगिता में रायपुर जिला धमतरी जिला, बलौदा बाजार जिला से कुल 130 खिलाड़ियों ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया, संभाग स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया गया जो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रायपुर जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे, उक्त संभाग स्तर शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में विशेष रूप से सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजली बरमाल उपस्थित रही। खिलाड़ियों को खिलाड़ी भावना से खेलने और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु कहा गया, समापन समारोह में खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण, महासमुंद मनोज धृतलहरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। 19 वर्ष बालक वर्ग में फाइनल में रायपुर और महासमुंद के मध्य खेला गया जिसमें कड़े मुकाबले में एक रन से रायपुर की टीम विजेता बनीं, महासमुंद जिला द्वितीय स्थान तथा धमतरी जिला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 17 वर्ष में भी रायपुर विजेता और महासमुंद उप विजेता रहा, 14 वर्ष बालक में महासमुंद विजेता तथा धमतरी उपविजेता रहा। प्रतियोगिता को सफलता पूर्वक संपन्न करने में अभिषेक निर्मलकर, अभिषेक नेहरू, सेवन साहू, निवेश मन्नाडे, ममता धीवर, मनीषा धीवर, लिशांशु साहू, हितेश ध्रुव, जगदीश, प्रीतम का विशेष योगदान रहा।

यदि आज की सभा से कांग्रेसी कार्यकर्ता हुए रिचार्ज तो भाजपा को होगी दिक्कत

- एक और कर्मचारियों की संतुष्टि और दूसरी ओर विपक्ष ने खोला मोर्चा, साय को साई-साई में होगी परेशानी

बिलासपुर (समय दर्शन)। बहुत दिन के बाद बिलासपुर में कांग्रेस नेताओं ने दमखम दिखाया। इस बार मामला वोट चोर गद्दी छोड़ का है। यह मामला देश के एल ओ पी राहुल गांधी ने बेंगलुरु में उठाया। बाद में बिहार में चल रही एस आई आर में केचुआ की मनमर्जी के कारण वोट अधिकार यात्रा में जोर-जोर से गुंजा बिहार की यात्रा तो समाप्त हो गई और कांग्रेस इस मामले को लेकर राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और उसे राज्य में रैली, आम सभा कर रही है जहां विधानसभा चुनाव हुए

और कांग्रेस को तिकड़मों के चलते चुनाव हारना पड़ा। भाजपा की केंद्र सरकार और जिस जिस राज्य में भाजपा की सरकार है वहां वहां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हो या एल ओ पी के एक बयान पर उस राज्य का मुख्यमंत्री से लेकर जिला अध्यक्ष तक विज्ञप्ति और बयान जारी करने लगता है। जिससे यह लगता है कि भाजपा दबाव में है।

बिलासपुर की आम सभा में पर्याप्त श्रोता थे, पार्टी के कार्यकर्ता थे, और नेता भी थे नकारात्मक गुटबाजी वाले समाचार ढूंढने लिखने वाले पत्रकारों को आज ऐसी खबरों के लिए मेहनत ज्यादा करनी पड़ी। छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व उपमुख्यमंत्री वह अन्य सभी वक्ताओं ने प्रभावशाली तरीके से केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर तीखे हमले बोले। इन सब से हटकर सबसे बेजान भाषण नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर सीडीएम का था। उनके मुख से निकल रहे शब्द और बॉडी लैंग्वेज के बीच संमजस्व नहीं था लगता था कि भाजपा की आलोचना करते वक्त कोई बड़ा वजन उन पर रखा हो खैर नमक अदा तो करना पड़ता है।

इस पूरे आम सभा में बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेश पांडे ने अपनी उपस्थिति दमदारी से दिखाई बैनर पोस्टर के अतिरिक्त आम सभा स्थल पर मेजवानी की भूमिका में शैलेश पांडे ने अपनी शाख कायम की, उनके तमाम होर्डिंग में राष्ट्रीय राज्य स्तरीय और स्थानीय नेताओं के चेहरे को उचित सम्मान दिया गया था।

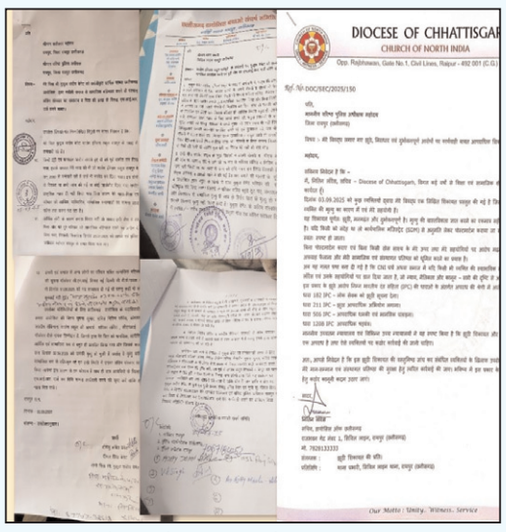

दिवंगत निलंबित शिक्षक के पुत्र ने लगाई न्याय की गुहार

रायपुर/बिलासपुर (समय दर्शन)। सालेम स्कूल के निलंबित शिक्षक मुकुल बैनेट की मौत के बाद उनके पुत्र ने अपने पिता के मौत के लिए अपंजीकृत छत्तीसगढ़ डायोसिस और छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन के विवादित पदाधिकारी को दोषी ठहराया। उन्होंने अपने पत्र में विस्तार से उन परिस्थितियों का वर्णन किया है जिसके कारण उनके पिता की मृत्यु हुई। अनाधिकृत निलंबन पहले पिता और फिर मां का दोनों ही रायपुर के सालेम स्कूल में कार्यरत थे। लंबे समय तक निलंबन, बगैर जांच के निलंबन जारी रखना, जीवन निर्वाह भत्ता न देना, पीएफ राशि का जमाना ना करना, समाज से बहिष्कृत कर देना इन सब का पत्र में जिक्र किया गया है। वही छत्तीसगढ़ डायोसिस अपंजीकृत के सचिव ने भी पुलिस अधीक्षक रायपुर को एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है और मुकुल बैनेट के शिकायत के पत्र को झूठा कहा और झूठ शिकायत करने के कारण उसके खिलाफएफआईआर की मांग की.... सालेम स्कूल का निलंबित स्टाफ जिनकी संख्या दर्जन में है इन दोनों प्रताड़ना के दौर से गुजर रहा है और उन्होंने न्याय की उम्मीद से कई स्थानों पर अपनी शिकायतें की है।

सरपंच की दबंगई पर प्रशासन सख्त

- आदिवासी महिला की गुहार के बाद जांच के आदेश

बसना (समय दर्शन)। बीते 05 सितम्बर को प्रकाशित खबर नशाबंदी के नाम पर आर्थिक दण्ड व सामुहिक बहिष्कार.. पीड़ित ने लगाया सरपंच पर गंभीर आरोप,सामाजिक बहिष्कार से जूझ रही महिला

इस विषय पर डीएम/एसपी से पीड़िता द्वारा किये गये शिकायत का बड़ा असर सामने आया है। समाचार प्रकाशन के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्राम पंचायत नरसिंगपुर अंतर्गत ग्राम जर्रा की आदिवासी महिला सेमबाई सिदार ने सरपंच नवलीन मांझी पर गंभीर आरोप लगाए थे। पीड़िता का कहना है कि पंचायत

बैठक में उसके खिलाफ फैसला लेते हुए राशन-पानी बंद कर दिया गया और ग्रामवासियों को चेतावनी दी गयी कि, यदि कोई उससे बातचीत करेगा तो उसे 10 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा। इस फरमान से पूरा परिवार सामाजिक बहिष्कार का शिकार हो गया है।

आवेदन पर कार्रवाई करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पिथौरा ने नायब तहसीलदार, पिरदा को जांच के आदेश दिए हैं। निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि शिकायत में उल्लेखित तथ्यों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए।

दैनिक समय दर्शन Basna samay darshan 05 September 2025

नशाबंदी के नाम पर आर्थिक दण्ड व सामुहिक बहिष्कार हौआ या हकीकत

पीड़िता ने लगाया सरपंच पर गंभीर आरोप, सामाजिक बहिष्कार से जूझ रही महिला

पीड़िता का पति मजदूरी करने चेन्नई गया हुआ है। ऐसे में सेमबाई अपने दो छोटे बच्चों के साथ गांव में रहकर प्रताड़ना झेल रही हैं। उनका कहना है कि सरपंच की दबंगई ने परिवार को आर्थिक और सामाजिक संकट में डाल दिया है।

अब बड़ा सवाल यह है कि,यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं तो छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम की धारा 40 के तहत सरपंच के उपर गाज गिर सकती है।

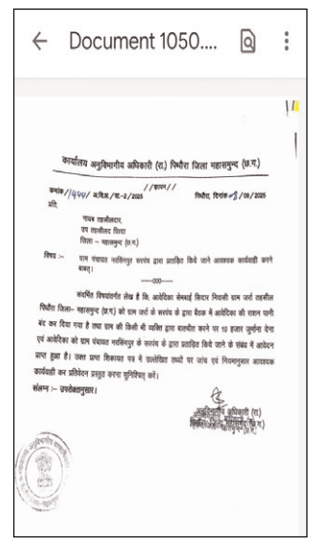

सामाजिक बहिष्कार और जुर्माना थोपना ग़ैरक़ानूनी है- इस मामले मे पुलिस एफआईआर भी

दर्ज कर सकती है। न्याय की राह मे अब सबकी निगाहें प्रशासन के फैसले पर टिकी हैं ? अब देखना है पीड़ित आदिवासी परिवार को उचित न्याय कब मिलेगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27